पटना ●सोमवार , 17 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः42 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मोतिहारी मे कौन फेंक जाता है ... 3 www. bordernewsmirror.com मलाइका अरोड़ा ने दिखाया... 7

घंटों से जाम में फंसे लोग, सेना ने संभाला मोर्चा

प्रयागराज में भीषण जाम,चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ लगा हुआ है। महाकुंभ में एक बार ट्रैफिक व्यवस्था फिर से चरमरा गई है। वहीं सेना के जवानों ने प्रयागराज की सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। सेना के जवान ट्रैफिक खुलवाने में लगे हुए हैं। प्रयागराज जाने वाले रास्तों पर तीन से चार घंटे से भीषण जाम लगा है। मेडिकल चौराहे से बालसन तक लंबा जाम लगा हुआ है। वहीं बहरना से बालसन तक भी लंबा जाम लगा है। सोबतिया मार्ग से दरभंगा चौराहे तक भीषण जाम लगा है। प्रयागराज के नैनी नया पुल और पुराना पुल पर तीन किमी लंबा दोनों तरफ यानी आने और जाने वाला रास्ता ब्लॉक है। वहीं झूंसी के शास्त्री ब्रिज पर अलोपीबाग चौराहे से लेकर अंदावा मोड़ तक गाड़ियां फंसी हैं। जबकि फाफामऊ पुल पर तेलियरगंज से लेकर प्रतापगढ़ और लखनऊ रोड पर कई किमी तक रास्ते में लोग फंसे हैं। बता दें कि प्रयागराज में जाम को लेकर लगातार शिकायतें आ रही है। दो दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े अधिकारियों के साथ बैठक की थी और वरिष्ठ अधिकारियों को सड़कों पर उतरने का निर्देश दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि यह सुनिश्चित करें कि किसी भी दशा में कहीं जाम नहीं लगना चाहिए।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद 12 उग्रवादी गिरफ्तार

बड़ी मात्रा में मिला गोला-बारूद,32 उग्रवादी संगठन हैं ऐक्टिव

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा को रोक पाने में विफलता के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। इस फैसले के बाद उग्रवादी संगठनों के कम से कम 12 सरगनाओं को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से सात कुकी नेशनल आर्मी से जुड़े हैं। इन संगठनों ने सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौते पर साइन भी किए थे।

मणिपुर में करीब 32 उग्रवादी संगठन ऐक्टिव हैं। इनमें से 25 ने सरकार के साथ समझौता किया था। 3 मई को हिंसा शुरू होने से दो महीने पहले ही मणिपुर सरकार ने कुकी नेशनल आर्मी और जोमी रेवोलूशनरी फ्रंट के साथ समझौता खत्म कर दिया गया था। उन पर अवैध रूप से जंगल पर कब्जा करने वालों के समर्थन में प्रदर्शन करने का आरोप था। इसके बाद उनके बीच समझौते को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया। वहीं पहले वाला समझौता फरवरी 2024 में ही खत्म हो गया था। शनिवार को जारी बयान में मणिपुर पुलिस ने बताया कि केएनए के सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा ओल्ड खाउकुआल इलाके में गश्ती की जा रही है।

हाथ में हथकड़ियां और पैरों में जंजीर बांधकर लाए

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों ने बताई आपबीती

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था भी शनिवार को अमृतसर एयरपोर्ट पहुंच गया। इन लोगों में शामिल दलजीत सिंह ने बताया कि उन्हें इस बार भी हथकड़ियां पहनाई गई थीं। इसके अलावा उनके पैरों में भी जंजीरें डाल दी गई थीं। बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो जो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने उन पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो

ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है। दलजीत सिंह ने होशियारपुर में मीडियाकर्मियों से कहा, 'हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी भी थी।' पंजाब के होशियारपुर जिले के कुराला कलां गांव के मूल निवासी सिंह उन 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें 'डंकी' (अवैध) मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी करते हैं।

तहव्वुर राणा को भारत लाने के लिए तैयार है एनआईए

तिहाड़ में होगी पूछताछ, लॉस एंजिल्स की जेल में है बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के एक दिन बाद ही भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक टीम को तैयार रहने को कहा गया है। यह टीम कभी भी राणा को लाने के लिए अमेरिका जा सकती है। इस प्रक्रिया के लिए भारत सरकार ने अमेरिकी प्रशासन को दस्तावेज सौंप दिए हैं। अमेरिकी

विदेश मंत्रालय का कहना है कि एक 'समर्पण वारंट' जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि तीन सदस्यीय एनआईए की टीम में एक इंस्पेक्टर जनरल-रैंक के अधिकारी और एक डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल-रैंक के अधिकारी होंगे। वे अमेरिकी अधिकारियों से 'समर्पण वारंट' प्राप्त होने के बाद अमेरिका रवाना होंगे। टीम के सदस्य तहव्वुर राणा की कस्टडी एयरपोर्ट पर प्राप्त करेंगे और तुरंत भारत लौट आएंगे। आपको बता दें कि तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का है। वह वर्तमान में लॉस एंजिल्स की जेल में बंद हैं। उसका कनेक्शन पाकिस्तानी-अमेरिकी लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से है। वह 2008 के मुंबई हमले का प्रमुख साजिशकर्ता था। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे। प्रत्यर्पण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को राणा की तरफ से दोबारा दायर की गई समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी।

नई दिल्ली रेलवे हादसा

गम, गुस्सा और आंसू, रुला रहीं तस्वीरें

● *जूते, चप्पल,दुपट्टे और चिप्स के पैकेट बता रहे हादसे की हकीकत* ● *नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की चली गई जान*

नई दिल्ली (एजेंसी)। बला की चमक उस के चेहरे पे थी, मुझे क्या खबर थी कि मर जाएगा... शायर अहमद मुश्ताक की ये दो लाइनें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों से गहरा ताल्लुक रखती हैं। 144 साल बाद प्रयागराज में लगे 'महाकुंभ' में स्नान कर अपने और अपनों के लिए ईश्वर का आशीर्वाद लेने की चाह रखने वालों के चेहरे पर चमक और नूर अलग ही होता है। आस्था के सैलाब में डुबकी लगाकर कुछ लोग अपने जीवन के दुख-दर्दों से मुक्ति पाना चाहते थे।

लेकिन कभी-कभी नियति को कुछ और ही मंजूर होता है। एक झटके में घर संसार उजड़ जाता है और सपने धरे के धरे रह जाते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ताजा उदाहरण हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पूरा रेलवे स्टेशन चीख-पुकार से गूंज रहा है। पूरे देश में मातम पसरा हुआ है। रेलवे स्टेशन की सीढ़ियों पर लोगों के खाने-पीने का समान बिखरा हुआ है। टूटी चप्पल, जूते और महिलाओं के दुपट्टे बता रहे हैं कि हादसे की रात कितनी दर्दनाक थी। भीड़ की शक्ल में आई मौत ने लोगों को खूब डराया, खूब भगाया। कुछ बदनसीब लोगों को मौत अपने साथ ले गई तो कुछ लोग बुरी तरह घायल हो गए। कुछ गायब हो गए। टूटी-फूटी चीजों से अपनों की पहचान करते नजर आ रहे हैं लोग। मजबूरी तो देखिए साहब, अपनों की मौत पर रोएं या जो भीड़ के चलते गायब हैं उन्हें ढूंढ़े या अस्पताल में भर्ती परिवारवालों के साथ बैठें। ऐसे कई परिवार हैं जो तीन तरफा मुसीबतें से जूझ रहे हैं। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत के बाद से ही हादसों का सिलसिला जारी है। कभी प्रयागराज में भगदड़ के चलते लोगों की जान जाती है। कभी प्रयागराज जाने वाले वाहन एक्सीडेंट के शिकार होते हैं और कई लोग सड़क पर ही दम तोड़ देते हैं। लेकिन सरकार हाई लेवल जांच में ही व्यस्त रहती है। हादसे से पहले कोई मजबूत इंतजाम सरकार की तरफ से नहीं किया जाता। अगर इंतजाम किया जाता है तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को टाला जा सकता था।

हादसे के जख्मों पर मुआवजे का लगाया मरहम

भगदड़ की घटना के बाद प्रभावितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया गया है। भारतीय रेलवे ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, वहीं गंभीर रूप से घायल यात्रियों को 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

विपक्ष का आरोप,सरकार छिपा रही सही आंकड़े

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे के लिए ठहरा रहा जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के मामले से सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौतों के बारे में सरकार पर रविवार को सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया और कहा कि इससे एक बार फिर रेलवे की 'विफलता' और सरकार की 'असंवेदनशीलता' उजागर हुई है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह घटना एक बार फिर रेलवे की विफलता और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण किसी को जान न गंवानी पड़े। **मोदी सरकार 'सच्चाई छिपाने' का प्रयास कर रही**- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी सरकार मौतों के बारे में 'सच्चाई छिपाने' का प्रयास कर रही है और यह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। वहीं, खरगे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि भगदड़ में कई लोगों के मरने की खबर बेहद दुखद है और सामने आए वीडियो बेहद हृदय विदारक हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत बेहद दुखद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर उनकी आत्माओं को शांति प्रदान करें। उन सभी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने की बढ़ गई तारीख

● कब तक मिलेगा जेपी नड्डा का विकल्प,हो रही तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी नड्डा बीते करीब 6 सालों से भाजपा के लगातार अध्यक्ष बने हुए हैं। उन्हें लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन यह फिर से टल गया है। अब कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन

अटका है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फ़रवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे।

चर्च के अंदर मिले मंदिर के अवशेष, शुरू हुई पूजा

केरल का है मामला,अनोखा इतिहास भी आया सामने

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में एक चर्च के कैंपस में खुदाई के दौरान मंदिर के अवशेष मिलने के बाद वहां पूजा अर्चना करने की अनुमति दी गई है। केरल के पलाई में एक कैथोलिक चर्च की जमीन पर खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। इस जगह से शिवलिंग समेत कई धार्मिक चिन्ह सामने आए हैं, जिसके बाद इलाके चर्चा आम हो गई। दिलचस्प बात यह है कि चर्च प्रशासन ने सौहार्द्रपूर्ण रवैया अपनाते हुए हिंदू समुदाय को वहां पूजा अर्चना करने की इजाजत दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1.8 एकड़ की इस जमीन पर जब कसावा (टैपियोका) की खेती के लिए खुदाई हो रही थी, तभी ये अवशेष नजर आए।

ठंड से मिली राहत, मगर फिर लौटेगी बारिश

हिमाचल से लेकर बंगाल तक बरसेंगे बदरा,आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम एक बार फिर करवट लेता नजर आ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, नागालैंड और आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर चक्रवाती सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके चलते 16-21 फरवरी के दौरान अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बर्फबारी की भी संभावना है। असम और मेघालय में 16-19 फरवरी को गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। अगले 7 दिनों तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी बदरा बरसेंगे। 17 तारीख को एक नया पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसके कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बारिश के आसार हैं। 17 से 19 तारीख के दौरान राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की वर्षा होगी। दिल्ली में शनिवार का दिन इस मौसम का दूसरा सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4 डिग्री अधिक है। आईएमडी के मुताबिक, इससे पहले मौसम का सबसे गर्म दिन 11 फरवरी को दर्ज किया गया था। इस दौरान अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस रहा था। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को धुंध छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 डिग्री सेल्सियस और 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में कल वायु गुणवत्ता सूचकांक 183 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। हिमाचल प्रदेश में ऊंचाई पर स्थित आदिवासी इलाकों में शनिवार को हल्की बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी शिमला में भी बर्फबारी हुई। आसमान में घने बादल छाए रहे और इसके आसपास के इलाकों में तेज व ठंडी हवाएं चलीं। सिस्सू और जिस्पा में रुक-रुककर बर्फबारी जारी है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

- बांका में 2 चोरी की बाइक बरामद
- पुलिस चेकिंग देखकर भागने लगे थे

बांका, एजेंसी। बांका में पुलिस ने एक कार्रवाई करते हुए बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। नवादा बाजार पुलिस ने शनिवार की रात 9:30 बजे कोतवाली चौक के पास से चार युवकों को दो चोरी की बाइकों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में नवादा थाना क्षेत्र के अमहारा गांव के वीरेंद्र कुमार उर्फ सूरज (22) और आशीष कुमार (19) शामिल है। इनके साथ धोरैया थाना क्षेत्र के धोरैया गांव निवासी लक्ष्मण कुमार (19) और राहुल कुमार उर्फ रितेश (19) को भी गिरफ्तार किया गया है। सर्किल इंस्पेक्टर रंजीत कुमार के अनुसार, नवादा थानाध्यक्ष शंकर कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान अमहारा हरचंडी की तरफ से दो बाइकों पर सवार चार युवक तेज रफ्तार में आए। पुलिस को देखते ही वे दूसरे रास्ते से भागने लगे। उन्हें खदेड़कर पकड़ा गया। जब पुलिस ने बाइकों के कागजात मांगे तो वे नहीं दिखा पाए और पूछताछ में बाइकें चोरी की होना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों से एक यामाहा और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है। फिलहाल सभी आरोपियों को थाने लाया गया है। वहां मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में क्रिकेट को मिलेगा नया आयाम:हर जिले में बनेगी 20-20 टीम

- ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के एक निजी होटल में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बैठक आयोजित की गई। इसमें क्रिकेट प्रेमियों को एक नए प्लेटफार्म देने की रणनीति तैयार की गई। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया के तहत बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से ग्रामीण इलाके के युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए पूरे बिहार के सभी जिलों में 20-20 टीम बनाई जाएगी। टीम में शामिल सभी खिलाड़ी अपनी प्रतिमा को लोगों के सामने रखने का कार्य करेंगे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य व नेशनल मैच तक खेलने का मौका मिलेगा। हर गांव और मोहल्ले में छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए ट्रायल मैच खेलने के बाद खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। यह बाते शहर के थाना रोड स्थित एक होटल में बैठक के बाद प्रेसवार्ता कर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से होने वाले ग्रामीण रूरल लीग प्रतियोगिता के आयोजन के सदस्य ज्ञानेश्वर गौतम और जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष साकेत गिरी ने दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया की शुरुआत की है। इसके तहत बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने सभी जिलों में 20-20 टीम बनाने का निर्देश दिया है। सभी टीमों में ग्रामीण इलाके के वैसे युवा जो क्रिकेट के प्रति रुचि रखते है। लेकिन उनके पास संसाधन नहीं है। वैसे सभी खिलाड़ियों का चयन करने का कार्य जिला स्तरीय क्रिकेट एसोसिएशन के तरफ से किया जाएगा। यहां प्रशिक्षण के बाद लीग मैच का आयोजन किया जाएगा। खिलाड़ियों की चयन की प्रकिया दस मार्च के बाद से शुरू कर दी जाएगी। खिलाड़ियों के चयन की जिम्मेदारी खेले इंडिया के संयोजक प्रिंस सिंह और उनके एक अन्य सहयोगी के जिम्मे है। मौके पर आईपीएल मैच के लिए चयनित खिलाड़ी साकिब हुसैन भी मौजूद थे।

दिल्ली की तरह गया में भी दौड़ेंगी सीएनजी बसें, सीसीटीवी और जीपीएस की सुविधा से होगी लैस

गया, एजेंसी। बिहार सरकार जल्द ही विष्णु पद मंदिर और महाबोधि मंदिर तक आवागमन की बड़ी सुविधा उपलब्ध कराएगी. अब शहर में सीएनजी बस चलेंगी. पहले से ही बोधगया महाबोधि मंदिर और इंटरनेशनल गया एयरपोर्ट तक आवागमन की सुविधा के लिए सड़क विस्तार करने पर जोर है. आमस दरभंगा एक्सप्रेसवे से महाबोधि मंदिर को जोड़ने की पहल की गई है, जबकि दोमुहान बोधगया से एयरपोर्ट मुख्य द्वार को जोड़ने वाली सड़क मोड से होते हुए ओटीए 5 नंबर गेट तक फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा है, लेकिन अब गया कि सड़कों पर प्रदूषण मुक्त बसें चलाने का भी प्रयास किया जा रहा है.

गया में चलेंगी सीएनजी बसें

गयाजी भी उन शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां रोड सर्विस के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रण करने का प्रयास हुआ है. चूंकि गयाजी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है तो यहां अच्छी कनेक्टीविटी के साथ सुलभ ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराने और प्रदूषण पर काबू पाने का प्रयास सरकार और जिला प्रशासन का है. यही वजह है कि गया में भी अब सीएनजी वाली बसें चलेंगी.

होली पर मिलेगी सौगात

बिहार राज्य ट्रांसपोर्ट की ओर से गया वासियों को ये सौगात होली से पहले दी जाएगी, तेजी से इसकी तैयारी की जा रही है. बसों को गया शहर से बोधगया के साथ विभिन्न जिलों के स्थानों के लिए चलाई जाएगी. गया को पहले फेज में लगभग 49 सीएनजी बसें मिलेंगी. हाल के वर्षों में गया में प्रदूषण का लेवल बढ़ा है, ऐसे में साफ वातावरण के लिए शहर की सड़कों पर सीएनजी बसों के चलने से बड़ी राहत होगी. सीएनजी संचालित बस चलने से गया की सड़कों पर प्रदूषण की समस्या कम होगी.

इन रास्तों पर चलेंगी बसें

एआरएम राजीव कुमार ने बताया कि हर आधे घंटे पर गया सरकारी बस स्टैंड से सीएनजी बसें चलेंगी. सीएनजी बसें गया से बोधगया, राजगीर बिहारशरीफ, औरंगाबाद, आती गया, डुमरिया, जहानाबाद, नवादा, हसपुरा समेत झारखंड के चतरा और हजारीबाग आदि जिले में चलेंगी. मुख्य रूप से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, कम भाड़े में ये गाड़ियां चलेंगी और इस से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. गया के एआरएम राजीव कुमार का कहना है कि बस में विभिन्न सुविधा उपलब्ध होगी. खासकर बस में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे और यात्री कैमरे की निगरानी में यात्रा करेंगे. बस जीपीएस से लैस होगी, जिससे बस पड़ाव की जानकारी अधिकारियों और विभाग के कर्मियों को मिलती रहेगी. 2/2 सेट की यह बसें होंगी और लगभग इसमें 32 सीट होगी. अभी मगध प्रमंडल के तीन बस डिपो में सीएनजी स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें गया औरंगाबाद और नवादा है. यहीं से बसों में सीएनजी भरा जाएगा.-

गया सरकारी बस स्टेशन को मिलीं 49 सीएनजी बसें

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम गया को 49 सीएनजी संचालित बस देने वाली है. होली पर्व तक बसें यहां आएंगी, सीएनजी बसों को लेकर सीएनजी गैस स्टेशन बस पड़ाव में ही बनेगा. जहां बसों में सीएनजी भरा जाएगा. सीएनजी संचालित बसों में यात्रियों का सफर काफी आरामदायक होगा, गया इंटरनेशनल स्थल है. यहां देश-विदेश के लोग आते हैं, उन्हें ट्रांसपोर्ट की अच्छी सुविधा उपलब्ध होने से लाभ होगा. इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा.

कम होगा प्रदूषण

गया में औसत प्रदूषण लेवल 100 से 150 के बीच में रहता है. हालांकि ये शहरी क्षेत्र में होता है. इन बसों के चलने से इस में और सुधार होगा. प्रसनजीत चक्रवर्ती ने कहा कि सीएनजी बसें डीजल या पेट्रोल से चलने वाली बसों की तुलना में कम ईंधन की खपत करती हैं. सीएनजी बसें डीजल या पेट्रोल से चलने वाली बसों की तुलना में कम शोर करती हैं. जिससे वह यात्री जिनके शहर या देश में सीएनजी या इलेक्ट्रिक गाड़ियां चलती हैं, उन्हें डीजल पेट्रोल की बसों में चलने में काफी समस्या होती है. सामाजिक कार्यकर्ता प्रसनजीत चक्रवर्ती का कहना है कि अगर विभाग की ओर से सीएनजी बसें चलाई जा रही हैं तो इससे विदेशी यात्रियों को भी काफी सहूलियत होगी. वह अपने देश की ट्रांसपोर्ट सेवा की तरह ही यहां के ट्रांसपोर्ट सेवा का लाभ उठाएंगे. सीएनजी एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, जो वायुमंडलीय प्रदूषण को कम करने में मदद करता है. इनकी उम्र भी लंबी होती है, इनका मेंटेनेंस भी काम होता है.-

बिहार के गोपालगंज सरकारी अस्पताल में 12 फर्जी स्वास्थ्यकर्मी कर रहे थे इलाज, एफआईआर दर्ज कराई

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार में फर्जी स्वास्थ्यकर्मी का खुलासा सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा है. फर्जी तरीके से नियुक्त पाकर 12 स्वास्थ्य कर्मियों कें खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है. इसमें 11 फर्जी स्वास्थ्य कर्मियों पर नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गयी है. एक नर्स की कुछ दिनों पूर्व प्रसव के दौरान मौत गयी थी.

4 वर्षों से दे रहे थे सेवा

दरअसल, यह मामला गोपालगंज सदर अस्पताल में सामने आया है. राज्य निदेशक प्रमुख नर्सिंग स्वास्थ्य सेवाएं बिहार पटना द्वारा सितंबर में जारी पत्र से इसका खुलासा हुआ. स्वास्थ्य विभाग के पत्र संख्या 313 (6) 15 मार्च 2021 के तहत नियुक्त स्टॉफ नर्स ग्रेड ए व परिचारिका श्रेणी ए तहत नियुक्त सभी 4 वर्षों से फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे हैं.

इन लोगों का नाम शामिल

फर्जी स्वास्थ्यकर्मी के लिस्ट में राकेश कुमार, रणधीर कुमार, अर्जुन कुमार चौधरी, दिग्विजय कुमार मांझी, सुनील कुमार, मिंटू कुमार चौधरी, प्रियंका कुमारी, शोभा कुमारी, नीलम कुमारी, रजनीश कुमार व संजीव कुमार सदर अस्पताल में परिचारिका श्रेणी ए के तहत शामिल हैं.

एक की हो चुकी है मौत

इसमें किरण कुमारी की मौत कुछ दिनों पूर्व प्रसव के क्रम में इलाज के दौरान हो गयी थी. शेष 11 पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक संजीव कुमार के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कराया गया है. इनके द्वारा चार वर्षों में लिए गए वेतन की भी वसूली की प्रक्रिया स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपनायी जा रही है.

क्या है पूरा मामला?

राज्य भर में अवैध तरीके से जालसाजों द्वारा स्टाफ, नर्स, परिचारिका ए ग्रेड पद पर नियुक्त करते हुए उन्हें अस्पतालों में तैनात किया गया था. जब स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में ये मामला आया तो फर्जी नियुक्ति के जरिये अस्पतालों में पदस्थापित नर्सों की तलाश में विभाग जुट गया है.

विभाग से निर्देश पत्र जारी

स्वास्थ्य सेवाएं बिहार के निदेशक प्रमुख डॉ. महेश्वर प्रसाद गुप्ता ने 24 फरवरी को जारी अपने आदेश पत्र में इसकी जानकारी दी. असामाजिक तत्वों द्वारा निदेशालय आदेश ज्ञापांक 313(6) दिनांक 15 मार्च 2021 से स्टाफ नर्स ग्रेड ए का फर्जी नियुक्ति/पदस्थापन आदेश निर्गत करते हुए कई संस्थानों में पदास्थापित किया गया है. यह बिल्कुल फर्जी एवं निराधार है. सिविल सर्जन को जारी इस पत्र के जरिये निर्देश दिया है कि वे अपने जिले में इस दौरान फर्जी बहाल हुई नर्सों की तलाश करें, राज्य स्वाथ्य सेवाओं के निर्देश पर 12 लोग फर्जी पाएं गए थे. एक नर्स की मौत हो चुकी है. शेष 11 पर एफआईआर कराई गयी है. उनके द्वारा उठाया गया वेतन भी वसूल करने की कार्रवाई की जा रही है.

■ डॉ बीरेंद्र प्रसाद
सिविल सर्जन, गोपालगंज

शराब तस्कर को 6 साल की जेल:अररिया कोर्ट ने 3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

नहीं देने पर एक साल और बिताना होगा

अररिया, एजेंसी। अररिया में अवैध शराब परिवहन के एक बड़े मामले में कोर्ट ने सख्त फैसला सुनाया है। एडीजे सह एक्साइज-01 कोर्ट के स्पेशल जज राजीव रंजन सिंह ने फुलकाहा के भोरहर गांव निवासी जयकृष्ण यादव को 6 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मामला फरवरी 2022 का है, जब बथनाहा 56वीं वाहिनी के सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार ने अपनी टीम के साथ बसमतिया-नरपतगंज मार्ग पर वाहनों की जांच के दौरान एक पिकअप वाहन (नंबर BRCA-2371) से 1161 लीटर अवैध शराब बरामद की थी। एक्साइज एक्ट के स्पेशल पीपी संजय मिश्रा और उत्पाद के अधिकृत अधिवक्ता चंदन कुमार सिंह के अनुसार, कोर्ट ने आरोपी पर 3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं चुकाने की स्थिति में आरोपी को एक साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। यह सजा उत्पाद 496/2022 नरपतगंज (बसमतिया) थाना कांड संख्या 67/2022 के तहत सुनाई गई है।

3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया : इस मामले में केस आइओ द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया गया। चार्जशीट उपरांत संज्ञान लिया गया तथा आरोप गठन (चार्जफ्रेम) के बिन्दु पर आरोपी से पूछे जाने पर उसने कहा था कि उसे थाना के बगल से गिरफ्तार किया गया है। बिल्कुल निर्दोष हूँ. आरोप गठन (चार्जफ्रेम) के पश्चात कोर्ट मे अभियोजन पक्ष की गवाही प्रारंभ किया गया। जहाँ सभी गवाहों ने घटना का पूर्ण समर्थन किया था। अभियोजन गवाहों के बयान से संतुष्ट होकर न्यायालय के न्यायधीश श्री सिंह ने आरोपी को दोषी पाया। सजा के बिन्दु पर सरकार की ओर से एक्साइज एक्ट के स्पेशल पीपी संजय मिश्रा ने कड़ी से कड़ी सजा देने की अपील की, जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता अभय कुमार ने कम से कम सजा देने की गुहार लगाई।

नालंदा में साइबर अपराधी गिरफ्तार:अवैध हथियार और 13 हजार रुपए भी बरामद

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से अवैध हथियार समेत साइबर ठगी में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण बरामद किए गए हैं। सदर डीएसपी मोहम्मद खुर्शीद आलम ने बताया कि महानंदपुर गांव निवासी राजेश यादव (30) धनी फाइनेंस कंपनी के नाम पर लोगों को लोन का प्रलोभन देकर ठगी कर रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर अस्थावां थानाध्यक्ष लाल मणि दुबे के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

देसी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद : जांच में सामने आया है कि आरोपी व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर कौन बनेगा करोड़पति जैसे लुभावने नामों से लोगों को ठगता था। पुलिस ने आरोपी के पास से 8 चेकबुक, 17 एटीएम कार्ड, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेज, गूगल पे स्कैनर, फिंगरप्रिंट स्कैनर, एटीएम कार्ड स्वाइप मशीन, दो मोबाइल फोन और 13,200 रुपये नगद बरामद किए। इसके अतिरिक्त एक देसी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल हैं। छापेमारी में थानाध्यक्ष के अलावा दारोगा परंतु कुमार यादव, पीटीसी सुनीता कुमारी, महिला सिपाही खुशबू कुमारी, सिपाही कंचन कुमार सहित अस्थावां थाने का सशस्त्र बल शामिल था।

पटना जंक्शन पर 25000 हाई वोल्टेज तार की चपेट में युवक की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जंक्शन पर युवक की मौत करंट लगने से हो गयी. युवक 25000 हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया. झुलसने के कारण उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी. इस घटना के बाद प्लेटफार्म पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया.

फुट ओवर ब्रिज से नीचे कूदा: घटना शनिवार की शाम की बतायी जा रही है. जानकारी के अनुसार युवक रेलवे फुट ओवर ब्रिज पर घूम रहा था. इसके बाद अचानक जाली पर चढ़ गया और नीचे रेलवे ट्रैक पर कूद गया. कूदने के दौरान ही वह प्लेटफार्म नंबर 8-9 के बीच वाली पटरी के ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गया.

मिनटों में जिंदा जल गया: तार के संपर्क में आने से युवक के शरीर में आग लग गयी. वह जलते हुए पटरी पर नीचे गिर गया. कुछ ही मिनटों में जलकर उसकी मौत हो गयी. घटना के बाद रेलवे प्रशासन घटना की छानबीन कर रही है. सवाल है कि आखिर युवक प्लेटफार्म से क्यों कूदा. कहीं आत्महत्या करने की नियत से नहीं कूदा?

लोग डर से नहीं गए बचाने: इस नजारे को देख कर वहां खड़े यात्रियों से लेकर पुलिसकर्मियों में अफरतफरी मच गई. जब तक यात्री और पुलिस कुछ समझ पाते उसकी वहीं मौके पर मौत हो गई थी. लोग डर के मारे उसे बचाने के लिए भी नहीं गए. घटना की पुष्टि जीआरपी ने की है. हालांकि युवक की पहचान नहीं हो पायी है. जीआरपी थानेदार राजेश कुमार सिन्हा का कहना है कि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. घटना की छानबीन की जा रही है कि आखिर किस नियत से वह फुट ओवर ब्रिज से नीचे कूद गया.

अंतरराष्ट्रीय लुक में तैयार होगा बिहटा एयरपोर्ट रूसी कंपनी करेगी निर्माण कार्य

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के बिहटा में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का निर्माण रूस की एक कंपनी करेगी.भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से कार्य आदेश जारी हो गया है. बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण 459.99 करोड रुपये में तय की गई है. अनुमानित लागत 665.85 करोड़ है. इसका निर्माण इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन मोड में पूरा किया जाएगा.

अंतरराष्ट्रीय उड़ान होगा संभव

2027 तक इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से पटना एयरपोर्ट पर दबाव कम जाएगा. पटना एयरपोर्ट से अभी अंतरराष्ट्रीय उड़ान नहीं होता है लेकिन बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से यह संभव हो पाएगा. बिहटा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 3700 मीटर तक बढ़ाने की योजना है.

क्या-क्या होगी सुविधा?

परियोजना के तहत बिहटा में नया एकीकृत टर्मिनल भवन, यूटिलिटी बिल्डिंग, एलिवेटेड पथ, इलेक्ट्रोमेकेनिकल कार्य, एयरपोर्ट सिस्टम, आईटी सिस्टम, सुरक्षा प्रणाली सहित व्यापक रखरखाव और संचालन कार्य दिया गया है. बिहटा एयरपोर्ट की वित्तीय बोली 20 दिसंबर 2024 को सीपीपी पोर्टल के माध्यम से खोली गई थी. इसके बाद एएआई ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है. उससे पहले तकनीकी बोली 21 नवंबर 2024 को ही हो चुकी है.

3000 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी

बिहटा एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग में एक समय में 3000 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी. यहां 10 विमान की पार्किंग हो सकेगी. इसमें ए 321, बी737, ए 320 जैसे बड़े विमान को खड़ा किया जा सकेगा. पटना एयरपोर्ट पर अभी बड़े विमान का संचालन नहीं होता है, क्योंकि रनवे छोटा है.

जमीन के कारण लटका रहा निर्माण कार्य

लंबे समय से जमीन विवाद के कारण बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण रुका हुआ था लेकिन केंद्र में डबल इंजन की सरकार फिर से बनने के बाद पिछले बजट में भी इसके लिए राशि की व्यवस्था केंद्र सरकार ने की थी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कई बार बिहटा एयरपोर्ट का दौरा कर चुके हैं. सरकार की ओर से जमीन उपलब्ध कराने के बाद रूसी कंपनी को निर्माण कार्य मिल चुका है और अब इसके निर्माण का भी रास्ता साफ हो गया है. बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से पटना से विदेश का उड़ान संभव हो सकेगा.

संक्षिप्त समाचार

शहीद सीआरपीएफ जवान रवि रंजन की शहादत पर किया गया शोक व्यक्त

बीएनएम। मोतिहारी। गोविंदगंज पहाड़पुर प्रखंड के निवासी राजा राम प्रसाद के पुत्र सीआरपीएफ जवान रवि रंजन की मणिपुर में शहीद होने की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। शहीद रवि रंजन की शहादत ने उनके परिवार और पूरे समुदाय को शोकसंतप्त कर दिया है। इस कठिन समय में प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, जो राज्य सभा सांसद भी हैं, ने शहीद के परिजनों से फोन पर बात की और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शहीद रवि रंजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति अपना समर्थन और संवेदना व्यक्त की। पूर्वी चम्पारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने भी शहीद के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान श्री राय ने कहा कि भगवान शहीद रवि रंजन की आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस कठिन समय में संबल एवं साहस दे। उन्होंने आगे कहा, "हम सब उन्हें हमेशा याद रखेंगे। उनका बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा।" इस भावुक मौके पर ब्रजभूषण श्रीवास्तव, ओसैदूर रहमान खान, रवि रंजन नेता और अन्य स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। सभी ने शहीद जवान के परिवार के प्रति संवेदना जताई और उनकी शहादत को सलाम किया।

घर का ताला तोड़ चोरों ने उड़ाया लाखों की संपत्ति

बीएनएम। मोतिहारी। रक्सौल शहर के वार्ड संख्या 11 में बीती रात अजय सिंह के घर चोरों ने ताला तोड़कर लाखों के कीमती सामान उड़ा ले गये। घटना तब हुई जब पीड़ित मकान मालिक अजय सिंह और उनके भाई विनय सिंह अपनी माता के निधन के बाद पैतृक गांव हाजीपुर दाह संस्कार के लिए गए थे। घर में कोई नहीं होने की जानकारी मिलते ही चोरों ने इस मौके का फायदा उठाया और पूरे घर को खंगाल डाला।चोरों ने बड़ी सफाई से मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। एक-एक कमरे की तलाशी लेते हुए घर में रखे कीमती जेवरात, नकदी समेत अन्य बहुमूल्य सामान लेकर फरार हो गए। सुबह पड़ोसियों ने जब घर का गेट खुला देखा, तो उन्हें संदेह हुआ। पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। पुलिस को संदेह है कि किसी स्थानीय व्यक्ति को घर खाली होने की जानकारी थी, जिसके बाद ही चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं, घटना के बाद लोगों में दहशत का माहौल है।

रक्सौल में भारी मात्रा में चाइनीज प्रिंटर बरामद

पुलिस और एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई

बीएनएम। मोतिहारी। रक्सौल पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी)की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध रूप से लाए गए चाइनीज प्रिंटर बरामद किए गए। इस कार्रवाई में 26 अत्याधुनिक प्रिंटर जब्त किए गए। जबकि इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।जिनसे पूछताछ की जा रही है। रक्सौल इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि एसएसबी को गुप्त सूचना मिली थी कि रक्सौल बस स्टैंड के एक गोदाम में बड़ी मात्रा में चाइनीज इलेक्ट्रॉनिक सामान छुपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस और एसएसबी की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए 26 चायनीज उन्नत प्रिंटर जब्त किए गए। छापेमारी के दौरान मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान नेपाल के वीरगंज निवासी कृष्णा प्रसाद और रक्सौल के भेलाही निवासी धर्मवीर कुमार के रूप में हुई है। जब पुलिस ने उनसे सामान के वैध दस्तावेज मांगे, तो वे कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस और एसएसबी की टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये प्रिंटर कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां भेजा जाना था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं यह तस्करी का कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है। बरामद किए गए सामान की बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

युवा जदयू कमिटी की हुई गठन

बीएनएम। हरसिद्धि। स्थानीय वीना बैंक्विट रिसोर्ट के प्रांगण में रविवार को युवा जदयू प्रखंड कमिटी कार्यकताओं की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुणाल पटेल ने किया। जहां बैठक में नए प्रखंड कमिटी की गठन किया, जिसमें 19 पंचायत में नए पंचायत अध्यक्ष बनाए गए। नए अध्यक्षों का मनोनय पत्र दिया गया। मंच संचालन युवा प्रखंड अध्यक्ष भारत भूषण पाण्डेय उर्फ बदल पाण्डेय ने किया। मौके पर युवा जदयू के जिला उपाध्यक्ष बबलू कुमार, जितेंद्र कुमार गुप्ता, प्रखंड सचिव राजा बाबू कुमार, मीडिया प्रभारी हरसिद्धि प्रखंड राजू उर्फ राज कुमार कुशवाहा, प्रखंड महासचिव दीपक कुमार, चन्द्रहिया पंचायत अध्यक्ष बसंत ठाकुर, कनछेदवा पंचायत अध्यक्ष अखिलेश कुमार, मठ लोहियार पंचायत अध्यक्ष रोहित कुमार पटेल, सोनबरसा पंचायत अध्यक्ष सोमेश्वर कुमार, भादा पंचायत अध्यक्ष रंजीत राम, यादवपुर पंचायत अध्यक्ष रविंद्र प्रसाद यादव और पकड़िया पंचायत अध्यक्ष रूपेश कुमार, मटियारिया पंचायत अध्यक्ष रजनीश कुमार, रामविलास सिंह मुन्ना राम इत्यादि मौजूद रहे।

मोतिहारी मे कौन फेंक जाता है अज्ञात लाशें ?

बीएनएम। मोतिहारीः सागर सूरज

बरामद शव स्थल की जाँच करते एसआईटी टीम

हाल के दिनों मे पूर्वी चंपारण जिले मे बरामद कई अज्ञात लाशें पुलिस के लिये पहेली बनी हुई है। लाशों की प्रायः पहचान के बाद ही पुलिस अनुसंधान आगे बढ़ पाती है। शुक्रवार को चकिया और कल्याणपुर सीमा के नजदीक स्थित बृंदाबन गाँव के एक सरेह से बरामद तीन- तीन महिलाओं के बरामद शव को लेकर भी पुलिस की कमोवेश यही स्थिति है। हालांकि इस मामले मे भी पुलिस पूरी संजीदगी के साथ फोरेसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ लगे होने का दावा कर रही है।

मुफ़सील थाने के मधुबनी गाँव मे सिकरहना नदी से 13 फरवरी को पुलिस ने एक युवक के अज्ञात लाश को बरामद किया क्राइम सीन से फोरेंसिक टीम ने कई साक्ष्य एकत्रित किए और शव को बेहतर पोस्टमॉर्टेम के लिए एसकेएमसीएच भेजा ताकि कुछ भी क्लू मिल सके। पुलिस ने कहा पानी मे शव के फूल जाने से पहचान करना मुस्किल हो रहा है। यानी इस मामले मे भी पुलिस अभी तक अंधेरे मे ही तीर मारती नजर आ रही है। उधर 25 दिसंबर, 2024 को रामगढ़वा थाना क्षेत्र के दुबौलिया गाँव मे सड़क किनारे स्थित एक झाड़ी से बरामद एक वर्षिय बच्चे के शव की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझ सकी है। बेतिया पुलिस इसे मझौलिया मे बरामद एक महिला के शव से जोड़ कर देख रही थी, परंतु इस मामले का अनुसंधान भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच सका बताया जाता है। कल्याणपुर-चकिया सीमा स्थित एक सरेह के पानी से बरामद तीनों महिलाओं के चेहरे भी पहचान से परे है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात इन अज्ञात लाशों को लेकर काफी संजीदा दिख रहे है। उन्होंने अपने तेज- तर्रार अरेराज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार के नेतृत्व मे एक विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) गठित की है। डीएसपी रंजन कुमार के ज्यादातर गंभीर मामलों के तह- तक पहुँचने के रिकार्ड के कारण इस मामले को सुलझाने के दावा करती है। उधर

बरामद शव के मामले मे बरामद स्थान से साक्ष्य ले लिए गए है। सभी साक्ष्यों की विश्लेषण के बाद शव की पहचान की जाएगी और घटना के असली कारण का पता लगाया जाएगा। हत्या की स्थिति मे अभियुक्तों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

रंजन कुमार, एसडीपीओ, अरेराज

25 जुलाई 2024 को महुआवा थाना के कोरैया मे एक तालाब के पास बरामद शव का मामला भी पुलिस अनुसंधान के फाईलो मे कैद हो गई बताई जाती है। बाद मे मृतक के कथित परिजनों ने दावा किया कि मृतक कुरमिनिया के रहने वाले बृजकिशोर राम थे। लेकिन पुलिस फाइल मे इस मामले को अज्ञात ही दिखाया गया और आज तक ना तो पुलिस के तरफ से मृतक की पहचान की गई और ना ही घटना के कारणों को ही स्पष्ट किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरेराज रंजन कुमार ने 'बॉर्डर न्यूज़ मिरर' से बात करते हुए बताया कि तीनो महिलाओं के बरामद शव के मामले मे बरामद स्थान से साक्ष्य ले लिए गए है। सभी साक्ष्यों की विश्लेषण के बाद शव की पहचान की जाएगी और घटना के असली कारण का पता लगाया जाएगा। हत्या की स्थिति मे अभियुक्तों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क (ज़िपनेट) वेबसाइट पर हजारों अज्ञात शवों की सूची है। इसमे कुछ की हत्या हुई है। कुछ दुर्घटना के शिकार भी हैं जबकि कुछ की मौत स्वाभाविक कारणों से हुई थी।

पीएम आवास योजना के सर्वेक्षण को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वेक्षण शुरू हो चुका है। खास कर एससीएसटी समुदाय के लोगों के लिए बीडीओ शरीना आजाद ने एक बैठक कर सभी पंचायतों में सर्वेक्षण कर रहे आवास सहायक, रोजगार सेवक व विकास मित्र को आदेश जारी कर कहा है कि प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में 12 दिनों के अंदर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति टोलो में आवास सर्वेक्षण करना है। यह सर्वेक्षण 17 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगी। इस कार्य के सफलता को लेकर बीडीओ शरीना आजाद ने ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत रोजगार सेवक व विकास मित्र को लगाया है। सभी का अलग अलग पंचयात आवंटित की गई है। बीडीओ ने निर्देश दिया है कि उक्त टोलो में आवास विहिन परिवारों का सर्वेक्षण सलंग्न माइक्रो प्लान के अनुसार करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही इससे संबंधित प्रतिवेदन प्रतिदिन ग्रामीण आवास पर्यवेक्षक के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी उपलब्ध सुनिश्चित करावें। आवंटित किए गए सभी पंचायतों के आवास सहायकों में मयूर कुमार को तुरकौलिया पूर्वी, गौरव सिंह को तुरकौलिया मध्य, हरेंद्र राम को तुरकौलिया पश्चिमी, श्याम सुंदर सोनार को बेलवाराय, अभिनाश कुमार को बिजुलपुर, सोनी रानी को चारगाहा, आकृति कश्यप को जयसिंहपुर पूर्वी, संजय कुमार को जयसिंहपुर उतरी, उमाशंकर सिंह को जयसिंहपुर दक्षिणी, दीपा कुमारी को माधोपुर मधुमालत, अमित कुमार पाई को मथुरापुर, मोहम्मद एजाज को सपही, शिवलाल बैठा को शंकर सरैया उतरी व संतोष कुमार को शंकर सरैया दक्षिणी मिला है। सभी आवास सहायक, रोजगार सेवक व विकास मित्र 12 दिनों के अंदर सर्वेक्षण का कार्य पूरा करेंगे। प्रभारी बीडीओ शरीना आजाद ने बताया कि यह सर्वेक्षण सिर्फ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के लिए कराया जा रहा है ताकि कोई भी गरीब परिवार इस सर्वेक्षण में न छूटे। साथ ही यह भी बताया कि आवास सर्वेक्षण में किसी भी प्रकार का शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रक्सौल शहर के पांचमंजिला इमारत में लगी भीषण आग,लाखों का सामान जलकर राख

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल शहर के अनुमंडलीय अस्पताल के ठीक सामने स्थित एक पांच मंजिला इमारत में रविवार को भीषण आग लग गई। अगलगी की इस घटना में घर में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। आग लगते ही पांचवीं मंजिल पर रह रहे लोग किसी तरह घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।बताया गया कि समय पर आग पर काबू नही पाया जाता तो मुख्य बाजार होने के चलते आग फैल सकती थी।पीड़ित गृहस्वामी मनोज प्रसाद ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 7 मार्च को होनी थी, जिसके लिए उन्होंने चार से पांच लाख रुपये का सामान खरीदा था। यह सारा सामान इस आग में जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि आग सबसे पहले पूजा घर में लगी थी, जो तेजी से फैल गई।स्थानीय लोगों के अनुसार, आग इतनी भयावह थी कि आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। हालांकि, समय रहते सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने का कारण स्पष्ट नही हो सकी है।ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है,कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार सदमे में है। प्रशासन से मुआवजे की मांग की जा रही है ताकि परिवार को आर्थिक मदद मिल सके।

सीआरपीएफ जवान रविरंजन की अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

बीएनएम। मोतिहारी

सीआरपीएफ जवान रविरंजन की अंतिम यात्रा रविवार को जनसैलाब उमड़ पड़ा।सबने नम आंखो से अपने गांव समाज के बेटे को अंतिम विदाई दी।जबतक सूरज चांद रहेगा रविरंजन तेरा नाम रहेगा वीर रविरंजन अमर रहे जैसे नारे से पहाड़पुर प्रखंड का सिसवा क्षेत्र गूंजता रहा। उल्लेखनीय है,कि मणिपुर के सीआरपीएफ कैंप मे अपने साथी जवान के गोली के शिकार मलदहिया गाँव के राजाराम प्रसाद कुशवाहा के पुत्र सीआरपीएफ जवान रविरंजन कुमार की अंतिम यात्रा रविवार सुबह 5 बजे सेवराहा चौक से शुरू हुआ। तिरंगे में लपेटे शहीद सीआरपीएफ जवान रविरंजन कुमार के पार्थिव शरीर का एक झलक पाने को लोग आतुर दिखे। हजारो की संख्या मे एकत्रित युवा हाथो में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और जबतक सुरज चांद रहेगा रविरंजन तेरा नाम रहेगा के नारे लगाते दिखे।यह क्षण लोगो को काफी भावुक होने पर मजबूर कर रहा था।शहीद रविरंजन की अंतिम यात्रा मे घिवाढार चौक व सिसवा बजार चौक पर हजारो की भीड़ ने पार्थिव शरीर पर पुष्प रखकर नमन किया। लगभग 6 किलोमीटर की लम्बी अंतिम यात्रा के बाद मलदहिया गाँव मे सीआरपीएफ कमाण्डेंट लोकेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व मे पार्थिव शरीर रविरंजन कुमार के घर पहुंचा।जहां उनके पार्थिव शरीर पहुंचते ही महिलायें दहाड़ मारकर रोने लगी रविरंजन की मां बार-बार बेहोश हो जा रही थी। जिस कारण पूरा माहौल गमगीन हो गया। रविरंजन का अंतिम संस्कार मलदहिया गांव में ही किया गया। मुखाग्नि रविरंजन कुमार के पिता राजाराम प्रसाद ने दिया। शहीद रविरंजन के अंतिम सम्मान मे सीआरपीएफ जवानों ने सलामी दिया । गुरुवार देर शाम मणिपुर के इम्फाल पश्चिमी जिले के लामसांग मे संजय कुमार नामक एक जवान ने ताबातोड़ फायरिंग कर खूद को गोली मार लिया जिसमे उसकी भी मौत हो गयी उसी फायरिंग मे रविरंजन कुमार सहित तीन जवानो की मौत हो गई थी।

हर्ष फायरिंग के दो आरोपी देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले पहाड़पुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नीरपुर गांव से ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिनके पास से एक देसी कट्टा, 315 बोर का एक जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद किए गए है। अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के अनुसार, ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनो आरोपियो को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि फायरिंग करने वाले आरोपी का नाम मुस्तफा खान है, जबकि हथियार मिथुन का था। पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि हथियार कहां से लाया गया और इसका इस्तेमाल पहले कहां-कहां किया गया।

राय साहब भुलावन लाल जयंती सप्ताह समारोह की तैयारी हेतु बैठक का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जयंती सप्ताह 21 फरवरी से 27 फरवरी तक तिरहुत मून बटन फैक्ट्री में होगा आयोजित

जिले के मेहसी प्रखंड के साहिबगंज स्थित मदारीचक तिरहुत मून बटन फैक्ट्री में आगामी 21 फरवरी से 27 फरवरी 2025 तक राय साहब भुलावन लाल की जयंती सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता रविंद्र कुमार सिंह, वार्ड सदस्य 11 द्वारा की गई और संचालन जेपी सेनानी अमर ने किया। उक्त कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक में कार्यक्रम की व्यापक सफलता के लिए एक विस्तृत तैयारी समिति का गठन किया गया है, जिसमें विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया। समिति में दयाल शरण, रविंद्र सिंह, हामिद रजा, राकेश कुमार श्रीवास्तव, नईम खान, आनंद प्रकाश सिंह, हसन इमाम, सुदिष्ट नारायण ठाकुर, मसीहुर रहमान और जेपी सेनानी अमर को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रत्येक सदस्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय रूप से योगदान देंगे, ताकि कार्यक्रम का आयोजन बिना किसी अड़चन के संपन्न हो सके। इस अवसर पर एक बुकलेट प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया गया है, जिसमें राय साहब भुलावन लाल के जीवन और उनके योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रकाशित की जाएगी। इसके साथ ही कार्यक्रम में व्यापक जन भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायत समिति के सभी सदस्यों, नगर पंचायत के सभी पार्षदों, जिला प्रशासन, इंडस्ट्री डिपार्टमेंट, श्रम अधीक्षक,जिला शिक्षा पदाधिकारी, क्षेत्रीय विधायक, और सांसद को सादर आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय शिक्षण संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों को भी आमंत्रित किया जाएगा ताकि वे राय साहब के अतुलनीय योगदान से अवगत हो सकें। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक योजना बनाई जाएगी ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम में भाग ले सकें और राय साहब के योगदान को जान सकें। बैठक के दौरान जेपी सेनानी अमर ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राय साहब भुलावन लाल के अतुलनीय योगदान को न केवल स्थानीय लोगों तक, बल्कि जिले और राज्य के लोगों तक पहुंचाना है। उनका योगदान सिर्फ स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।कार्यक्रम के रूपरेखा पर चर्चा करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि 21 फरवरी को राय साहब के तीसरी पीढ़ी के सदस्य बच्चन बाबू को विशेष सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। यह एक ऐतिहासिक अवसर होगा, जब राय साहब के परिवार के सदस्य को उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम 27 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें राय साहब के जीवन और कार्यों को समर्पित विशेष आयोजन होंगे। इस आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण, और सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी आयोजकों और समिति के सदस्यों को पूरा विश्वास है कि यह आयोजन न केवल राय साहब के योगदान को सम्मानित करेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लोगों में एकजुटता और सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देगा।

सुगौली एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स लिमिटेड इकाई का गन्नाआयुक्त ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली स्थित एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स लिमिटेड, इकाई का ईखायुक्त अनिल कुमार झा ने रविवार को निरीक्षण किया।इस मौके पर उनके साथ सहायक ईखायुक्त मुख्यालय बेदब्रत कुमार एवं ईख पदाधिकारी मोतिहारी राहुल कुमार भी उपस्थित रहे। इस क्रम उन्होंने इकाई के केन यार्ड, मिल सयंत्र आदि का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होने सुगौली चीनी मिल के सभागार में मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम से संबंधित प्रगति पर इकाई प्रबंधन एवं कर्मचारियों से गहन विचार विमर्श किया। मौके पर सुगौली इकाई के महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित, उप महाप्रबंधक (गन्ना), शैलेन्द्र कुमार मिश्र, उप महाप्रबंधक (उत्पादन),रमेश शुक्ला, गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार (विकास) एवं हरीशचन्द श्रीवास्तव (विपणन) सहित सुगौली इकाई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने बताया कि पेराई सत्र 2024-25 के दौरान 42 लाख क्वींटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है जिसे लगभग 130-135 दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। कारखाने का परिचालन अपनी पूर्ण क्षमता के अनुरूप की जा रही है। किसानों द्वारा आपूर्ति किए गए गन्ने का त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान किया जा रहा है, जिससे किसानों में हर्ष का माहौल है। उप महाप्रबंधक (गन्ना) द्वारा बताया गया कि गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा इकाई को मुख्यमंत्री गन्ना विकास कार्यक्रम अन्तर्गत आवंटित लक्ष्य को ससमय शत् प्रतिशत पुर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही बताया गया कि समय से इकाई का पेराई कार्य प्रारम्भ होने से किसानों द्वारा अपना खूँटी गन्ना काटकर मिल में आपूर्ति किया जा चुका है जिसके कारण किसानों का खेत समय से खाली हुआ है जिसमें आलु, दलहन, तिलहन आदि फसलों की खेती करने का मौका किसानों को समय से मिला है। वही ईखायुक्त ने बताया कि इस इकाई की पेराई क्षमता का विस्तार करने के लिए उच्च प्रबंधन से बात चीत की जाएगी। इस इकाई में सी.बी.जी. संयत्र लगाने के लिए भी अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि पुलिस ने शराब कारोबारियो व पियक्कड़ो को भेजा जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से पुलिस ने छापेमारी कर बुधवार को 6 धंधेबाजो व पियक्कड़ो को गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी से शराब कारोबारीयो में हड़कंप मचा हुआ है। वही पकड़े गए कारोबारीयो से 42 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद किया गया है। बताया गया है कि पकड़े गए कारोबारीयो में क्यूब चौधरी का पुत्र 34 वर्षीय लखी चौधरी व नंदकिशोर कुमार उम्र 20 वर्ष इन दोनों को खोड़ीपाकड़ से और लालू राम (44 वर्ष) को मठलोहियार छितवानिया टोला व नथुनी देवी (46 वर्ष) पति स्व. देवेंद्र माझी हरसिद्धि, व पियक्कड़ो में पारस माझी, पिता रामजीत माझी वार्ड 4 हरसिद्धि से और रवींद्र पाण्डेय पिता सूर्यकांत पाण्डेय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, एसआई अविनाश कुमार व पुलिस बल शामिल थे। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेन्दू कुमार सिन्हा ने बताया कि पकड़े गए सभी लोगो को जेल भेज दिया गया है।

इंडियन क्रिकेट एकेडमी अरेराज बना "ए" डिवीजन लीग चैम्पियन

बीएनएम। मोतिहारी। ईस्ट चम्पारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन(इसीडीसीए) के तत्वावधान में चल रहे स्व. प्रदीप नंदन शर्मा स्मृति जिला क्रिकेट लीग ए डिवीजन के फाइनल मुकाबले में इंडियन क्रिकेट एकेडमी अरेराज ने एम जे के सुगौली को 6 विकेट से हराकर लीग चैम्पियन का खिताब अपने नाम कर लिया।इसीडीसीए सचिव रवि राज ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राउंड-3 पर हुए फाइनल मैच में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए एम जे के सुगौली की टीम ने नितेश के 39 रन व सरफराज के 19 रन की पारी के बदौलत 117/10(20.3) स्कोर खड़ा किया। इंडियन क्रिकेट एकेडमी अरेराज के गेंदबाज दिपांशु व प्रत्यक्ष ने 2-2 विकेट लिए।जवाब में इंडियन क्रिकेट एकेडमी अरेराज की टीम रौनक के 54 रन व प्रियांशु के 25 रन की पारी के बदौलत 118/4(28) का स्कोर बनाकर फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। एम जे के सुगौली टीम के गेंदबाज सरफराज ने 2 विकेट व अनमोल ने 1 विकेट लिया। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंडियन क्रिकेट एकेडमी अरेराज के खिलाड़ी रौनक को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जी. के. स्पोर्ट्स के सौजन्य से इसीडीसीए सचिव रवि राज द्वारा दिया गया।मैच में अम्पायर की भूमिका में कुमार राज व मो. तैयब रहे वही स्कोरर व कन्वेनर क्रमशः प्रभात कुमार व अभिषेक कुमार छोटू रहे।मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया कि बीसीए ने मेन्स सीनियर व अंडर-23 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट का शिडयूल जारी कर दिया हैं।पू.च.जिला टीम(सीनियर व अंडर-23) के चयन के लिए जल्द इसीडीसीए ट्रायल आयोजित करेगा।इसके उपरांत एलीट ग्रुप के सेमीफाइनल व फाइनल मैच खेले जायेंगे।मौके पर बीसीए गवरनिंग काउंसिल कन्वेनर ज्ञानेश्वर गौतम,इसीडीसीए सचिव रवि राज,संयुक्त सचिव कन्हैया प्रसाद,क्लब प्रतिनिधि अयाज अहमद,खिलाड़ी प्रतिनिधि मधुरेन्द्र कुमार सिंह व ब्यूटी कुमारी, मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन व अमित कुमार गुड्डु,संत कुमार,रवि चुटुन,रामप्रकाश सिन्हा इत्यादि की उपस्थिति रही।

होली पर्व को ले बंजरिया थानाध्यक्ष द्वारा चौकीदारी परेड किया गया, दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी। अगामी होली पर्व को लेकर आज रविवार को बंजरिया थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो द्वारा सभी चौकीदारों के साथ चौकीदारी परेड किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष श्री महतो ने उपस्थित चौकीदारों को आवश्यक निर्देश दिया और कहा कि अभी से ही सभी अपने कर्तव्यों के पालन में जूट जाये। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होंनें चौकीदारों को कहा कि होली पर्व को लेकर अभी से ही शराब माफिया शराब की भंडारण करने में जूट गए हैं। इस बावत सभी का कर्तव्य बनता है कि अपने- अपने क्षेत्र के शराब कारोबारियों पर पैनी नजर रखें और ऐसा करते सूचना मिले तो शीघ्र ही थाना को सूचित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी चौकीदार का शराब माफियाओं के साथ सांठ- गांठ पाया गया तो उसके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जायेगी। मौके पर थाना क्षेत्र के सभी चौकीदार व दफादार उपस्थित थे।

कृष्णा अल्लावरु को बिहार में कॉग्रेस के नए प्रभारी बनाए जाने पर हर्ष

बीएनएम। मोतिहारी, पू.च। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी के करीबी कृष्णा अल्लावरु को बिहार का नया प्रभारी नियुक्त किया है। इससे कांग्रेसी में हर्ष है। कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस प्रभारी बनाए जाने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटि के राष्ट्रीय समन्वयक सुजा खान गांधी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। मो गांधी ने बताया कि कृष्णा अल्लावरु वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जॉइंट सेक्रेटरी हैं और वर्तमान में वह युवा कांग्रेस के प्रभारी के तौर पर काम कर रहे थे। अब उनपर बिहार कांग्रेस को मजबूत करने की जिम्मेवारी है। दरअसल, कृष्णा अलावरु की सांगठनिक क्षमता कुशल मानी जाती है और बिहार में वह बेहतर रणनीतिकार कहे जाते हैं। खास बात यह है कि वह राहुल गांधी के करीबियों में से एक है।

शहीद बंशी चाचा के नाम पर बैरगनिया स्टेशन का नाम हो: भरत कानू

बीएनएम। मोतिहारी, पू.च। कानू विकास संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत कानू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बैरगनिया रेलवे स्टेशन शहीद बंशी चाचा के नाम करने की मांग की है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि बंशी चाचा एक गरीब परिवार से आते है जीवन भर क्षेत्र के विकास के लिए आंदोलन करते रहे है। उनके बलिदान को यादगार के तौर पर उनके नाम पर रेलवे स्टेशन बनना चाहिए। यदि ऐसा नही हुआ तो कानू विकास संघ इसके लिए आंदोलन करेगा।

प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में फुलवरिया की टीम विजयी

बीएनएम। सुगौली पू०च०। सुगौली प्रखंड के आदर्श उच्च विद्यालय में आयोजित प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि पैक्सध्यक्ष संजीव शर्मा ने किया।जिसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय पात्र किया।चकिया क्रिकेट क्लब बनाम फुलवरिया क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया।जिसमें फुलवरिया की टीम विजयी रही।चकिया की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए चकिया की टीम ने 233 रन बनाई।जिसके जबाब में उतरी फुलवरिया की टीम चार विकेट खोकर 237 विजयी रन बना ली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार असदेव राम ने चीकू को दिया ,जिसने 154 रन बनाया। मैच में एम्पायर विजय कुशवाहा व मनोज कुमार,स्कोरर सलौदीन , कमेंटेटर विश्वजीत झा, प्रमोद मिश्र,यश कुमार,विकेश रंजन मिश्र थे। मौके पर व्यवस्थापक मुखिया अवधेश कुशवाहा,असदेव राम,अध्यक्ष रामाश्रय महतो,सचिव पैक्सध्यक्ष संजीव शर्मा,कोषाध्यक्ष संतोष जयसवाल,संदीप मिश्र,प्रदीप कुमार सहित कई मौजूद थे।

72 पीस विदेशी 8 पीएम फ्रूटी शराब जब्त, महिला तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

पुलिस ने महानवा बाजार के समीप गुप्त सूचना पर छापेमारी किया। जहां एक महिला विदेशी शराब के साथ पकड़ी गई। वही दो तीन पुरुष तस्कर पुलिस गाड़ी को देखकर फरार हो गए। तलाशी के दौरान बाइक के डिक्की व घर के पीछे बोरा से व आंगन में छुपाकर रखा हुआ 72 पीस विदेशी 8 पीएम फ्रूटी शराब जब्त किया गया। गिरफ्तार महिला तस्कर महानवा के सुरेंद्र साह की पत्नी रीना देवी है। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त महिला अपने घर के समीप शराब की विक्री कर रही है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी किया। जहां से एट पीएम फ्रूटी अंग्रेजी शराब करीब 13 लीटर बरामद हुआ। कुछ शराब बाइक की डिक्की व कुछ उसके आंगन में छुपाकर रखा हुआ मिला। वही महानवा बाजार से ही शराबी बेलघटी निवासी राजू बैठा को गिरफ्तार किया गया है। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है। वह सड़क पर लड़खड़ाते और हल्ला गुल्ला कर रहा था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि महिला तस्कर को पकड़ा गया है साथ ही एक बाइक भी जब्त किया गया। वही पुलिस को देखकर दो तीन तस्कर भाग निकले। जो महिला का साथ देते थे उनकी पहचान कर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है।

शिवहर मे मैट्रिक परीक्षा आज़ से, तैयारी पूरी: जिलाधिकारी

- आज से 25 फरवरी तक किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी।
- प्रथम पाली : प्रातः 9:30 बजे से 12:45 बजे तक
- द्वितीय पालीः अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक.इस परीक्षा में जिले भर से कुल 8,975 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षाओं के निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विक्षकों की नियुक्ति रैंडमाइजेशन के आधार पर की गई है।
- कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए कड़े प्रशासनिक प्रबंध

बीएनएम। शिवहर

जिला प्रशासन ने परीक्षा को पूर्ण रूप से कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने के लिए व्यापक तैयारी की है। इस क्रम में सभी 10 परीक्षा केंद्रों पर विशेष सुरक्षा एवं निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 2-2 स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। परीक्षा के दौरान जिले में 5 गश्ती दल एवं 4 जोनल दंडाधिकारी तैनात रहेंगे। परीक्षा केंद्र के 500 गज की परिधि में भारतीय दंड संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। परीक्षार्थियों के लिए जूता मोजा पहन कर परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा। परीक्षा प्रथम पाली में पूर्वाह्न 9 बजे के बाद एवं द्वितीय पाली में अपराह्न 1:30 बजे के बाद परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे।

कदाचार में संलिप्त पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाई- जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनुचित साधनों (कदाचार) का उपयोग करने वाले परीक्षार्थियों पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। कदाचार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन परीक्षा को पूर्ण रूप से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त बनाने के लिए संपूर्ण तैयारी कर चुका है। सभी परीक्षार्थियों से अपील की जाती है कि वे परीक्षा में अनुशासन एवं ईमानदारी बनाए रखे।

घर से फरार प्रेमी जोड़े की ग्राम कचहरी में कराई गई शादी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले चिरैया प्रखंड क्षेत्र के सिरौना ग्राम कहचरी में रविवार को एक प्रेमी जोड़े का विवाह पंचों के समक्ष हिंदू रीति रिवाज से करवाया गया। उक्त जानकारी देते हुए सरपंच कुमार सौरभ ने बताया कि दोनों के बीच कई वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था और दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन दोनों के परिवार वाले इस शादी के लिए तैयार नहीं थे। जिसके बाद ग्राम कचहरी में मामला सुलझाने के बाद यह विवाह संपन्न हुआ। इस मामले को लेकर बताया गया कि शिकारगंज थाना क्षेत्र के सिरौना गांव वार्ड नंबर 11 निवासी भरत मुखिया की पुत्री गुड़िया कुमारी एवं पताही थाना क्षेत्र के छोटका बलुआ गांव निवासी स्व. राम भरोस मुखिया के पुत्र जगदीश कुमार दोनों करीब छह साल से एक दूसरे से प्रेम करते थे और शादी के बंधन में बंधना चाहते थे। लेकिन दोनों के परिवार वाले इसके लिए तैयार नहीं थे। जिसके बाद दोनों ने 2019 में घर से फरार होकर मंदिर में शादी रचा लिया। लड़की के ससुरालवालों ने इस शादी को मानने से साफ इंकार कर दिया। इसके बाद मामला सरपंच कुमार सौरभ के समक्ष पहुंचा। उन्होंने इस मामले को लेकर पंचायत बुलाई। जिसमें लड़का, लड़की एवं उसके पिता से पूछताछ कर एवं अन्य साक्ष्य के आधार पर सारे बंधन को दरकिनार कर प्रेमी युगल को शादी के बंधन में जोड़ दिया। प्रेम प्रसंग का मामला ग्राम कहचरी में फैसला होने के बाद प्रेमी जोड़ी ने पंचों को साक्षी मानकर प्रेमी ने प्रेमिका के मांग में सिंदूर भर कर दोनों अटूट बंधन में बंध गए। मौके पर सिरौना पंचायत के सरपंच कुमार सौरभ, उप सरपंच प्रमिला देवी, पंच हरेंद्र पासवान, उर्मिला देवी, लड़की की मां आशा देवी, पिता भरत मुखिया सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

कपड़ा दुकानदार से पांच लाख के रंगदारी मामला में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहर

जिला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कपड़ा दुकानदार से पांच लाख रुपया के रंगदारी मांगने के मामला में पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। एसपी शैलेश कुमार सिन्हा ने बताया है कि पिपराही थाना क्षेत्र के कमरौली के कपड़ा दुकानदार जयकिशुन पंडित, पिता-स्व० हरिहर पंडित, जिला शिवहर से अज्ञात लोगों द्वारा पत्र एवं टेलीफोन के माध्यम से पाँच लाख रुपए की रंगदारी मांगा गया था। पुलिस ने इसे संज्ञान में लेते हुए पिपराही थाना द्वारा तत्काल कांड को दर्ज किया गया। कांड के भौतिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान तथा अज्ञात अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिवहर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना से संबंधित सभी बिन्दुओं पर बारिकी से जाँच की गई। इस क्रम में प्राप्त वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य के

आधार पर रंगदारी की घटना में संलिप्त तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम संजीत कुमार, मनीष कुमार व अंकुश कुमार है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है। तीनो को गिरफ्तार कर शिवहर जेल भेज दिया गया है।

20 मार्च को होगा जिलाधिकारी के समक्ष मजदूरों का विशाल प्रदर्शन

बीएनएम। मोतिहारी

20 मार्च को पूर्वी चंपारण जिला अधिकारी के समक्ष विभिन्न सवालों को लेकर मजदूरों का विशाल प्रदर्शन होगा । तथा चार श्रम अधिनियम के वापसी ,जिला श्रम पदाधिकारी कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार ,श्रम कानून के अनुरूप श्रमिकों का अनुदान नहीं देने तथा ऑटो चालकों ई रिक्शा चालकों, रसोईया, आशा, आंगनवाड़ी कर्मचारी, सफाई मजदूर सहित अन्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों के शोषण के विरुद्ध मजदूरों के द्वारा आवाज बुलंद किया जाएगा।उक्त निर्णय जिला कार्यालय मोतिहारी में आयोजित मुकेश कुमार सिंह के अध्यक्षता एवं सीटू संयोजक सत्येंद्र कुमार मिश्रा के संचालन में सेंटर आफ ट्रेड यूनियन उप समिति के बैठक में लिया गया। बैठक में संयोजक सत्येंद्र कुमार मिश्रा के द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार के श्रम विरोधी नीतियों तथा अन्य ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा किया गया जिस पर शक्ति नाथ तिवारी, अशोक पासवान, विपिन बिहारी दुबे,सुरेंद्र कुमार उर्फ टिमन, नवाब आरजू मैं अपना विचार व्यक्त करते हैं उपरोक्त मांगों पर आयोजित आंदोलन को तन मन धन से सफल बनाने का आह्वान किया ।धन्यवाद ज्ञापन मुकेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

पिंटू सहनी को मिलेगा मरणोपरांत जीवनरक्षा पदक सम्मान

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

पिंटू सहनी को मरणोपरांत जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने 2023 में मुजफ्फरपुर में बागमती नदी में हुए नाव हादसे में कई लोगों की जान बचाई थी, लेकिन खुद की जान नहीं बचा पाए थे। उनके बलिदान को सरकार ने सराहा है और उन्हें यह पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। यह पुरस्कार उन्हें जीवन रक्षा के कार्य में प्रदर्शित अदम्य साहस के लिए दिया जा रहा है। जिसमें उन्होंने अपने प्राणों की प्रवाह न करते हुए कई लोगों की जिंदगी को बचाया और अपनी आहुति दे दी। मुजफ्फरपुर जिले के गयाघाट प्रखंड के मधुरपट्टी और भटगामा स्थित बागमती नदी में 2023 में एक नाव हादसा हुआ था, जिसमें एक दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई थी। स्थानीय लोगों की तत्परता से कई लोगों को बचाया गया था,

जिनमें पिंटू सहनी नामक युवक भी शामिल था। पिंटू ने अपनी जान की परवाह किए बिना उफनती बागमती नदी में कूदकर कई लोगों की जान बचाई थी, लेकिन दुर्भाग्यवश वह खुद की जान नहीं बचा पाया। पिंटू के इस बहादुरी के कार्य के लिए, उसे मरणोपरांत जीवन रक्षा पदक से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पिंटू कुमार साहनी को मरणोपरांत सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें जीवन रक्षा के कार्य में प्रदर्शित अदम्य साहस के लिए दिया जा रहा है। पिंटू का साहस और बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भारत के राष्ट्रपति की ओर से यह पुरस्कार बिहार सरकार द्वारा उनके परिजनों को प्रदान किया जाएगा। जिसमें पदक, प्रमाण पत्र और एकमुश्त मौद्रिक भत्ता शामिल होगा। यह खबर न सिर्फ पिंटू के परिवार के लिए गर्व और खुशी का क्षण है, बल्कि पूरे गांव के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। पिंटू ने अपनी जान देकर दूसरों की जान बचाई, जो एक सच्चे हीरो का उदाहरण है। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर के सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री राज भूषण निषाद, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, एसडीएम अमित कुमार, विधायक निरंजन राय, प्रखंड प्रमुख श्रमण कुमार सिंह, जेडीयू नेता प्रभात किरण, समाजसेवी दीपक कुमार उर्फ बउआ जी, गायघाट सामाजिक मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह, भाजपा नेता पंकज सिंह, धीरज कुमार, लोकेश कुमार सहित गायघाट के सभी प्रशासनिक पदाधिकारी ने बधाई दी है।

कानून में किए गए संशोधनों के पीछे का निहितार्थ

केन्द्र सरकार ऐसे कानूनों में बदलाव ला रही है या लाने के लिए प्रयासरत है जो वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और खनन से जुड़े हैं। ऐसे कानूनों में लाए जा रहे बदलावों से आदिवासियों और वन निवासियों के जीवन पर विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है। संविधान में आदिवासियों और वन निवासियों के हकों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। वन अधिकार कानून 2006 और पेसा कानून 1996 में वनों की जो लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था निर्धारित की गई है उसे वर्तमान सरकार के द्वारा किए जा रहे कानूनी बदलावों से भारी खतरा है।इस कानूनी बदलावों के पीछे के आर्थिक एजेंडे को समझने की जरूरत है,जिसका मुख्य उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना है।खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम,1957,वन संरक्षण कानून 1980, पर्यावरण प्रभाव आकलन 2006 आदि कानूनों और नियमों में प्रस्तावित संशोधन और किए गए संशोधन इस बात का सबूत है कि राज्य पूंजीपति और बड़े व्यवसायिक घरानों को सहूलियत पहुंचाने के लिए काम करती है। राज्य वन संसाधनों को व्यापारी वर्ग को सौंप देना चाहती है।करोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के 'प्रधान मुख्य वन संरक्षक' कार्यालय ने 20 अक्तूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगड़े-वनों को 'पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप' (पीपीपी) मोड पर निजी कम्पनियों को देने का आदेश जारी किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। इसी 'संरक्षित वन' में से लोगों को 'वनाधिकार कानून – 2006' के अन्तर्गत 'सामुदायिक वन निस्तार हक्क' या 'सामुदायिक वन संसाधनों' पर समुदाय का अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है। अगर ये 37 लाख हेक्टेयर वनभूमि उद्योगपतियों के पास होगी, तो फिर लोगों के पास कौन सा जंगल होगा? 'इंडिया स्पेंड' की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार देश के 10 लाख आदिवासियों से जमीन छीनकर कारोबारियों को दे दी गई है। वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगड़े वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सोंपने का योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघु वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा।

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

जयन्ती (18 फरवरी) पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातों को सामान्य लोगों के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई। रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता है। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधि थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था। अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होंने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नहीं थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रूप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरू मान लेते थे। इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये। रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चौबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

सूडोकु नवताल- 7344

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7343 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन

रजनीश कपूर

आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ-साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की संपूर्ण योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा। देश में वार्षिक परीक्षाएँ छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं। लेकिन हाल के वर्षों में, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढने की बजाय कोचिंग सेंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहाँ कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है। देश के गाँवों के छात्रों में एक नई होड़ देखी जा रही है। देहाती छात्र काफ़ी मात्रा में विद्यालय से विमुख हो रहे हैं। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियाँ जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते। इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढने की तुलना में कोचिंग सेंटरों में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं। जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। यह धारणा दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं गाँव के भोले भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सेंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे। जिससे अभिभावक भी अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की बजाय कोचिंग में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसे में यदि शिक्षक भी उदासीन रवैया अपनाना शूर कर दें तो वह आग में घी का काम करता है। ऐसा भी देखने में आया है कि ग्रामीण इलाक़ों के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या उनकी लापरवाही के कारण कक्षाओं का स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में छात्र कोचिंग का विकल्प चुनने को मजबूर हो जाते हैं। आज से कई वर्ष पूर्व 'थ्री इडिअट्स फ़िल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफ़ी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि अगर हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए। यदि वो अइस करता है तो वह खुश भी होता है और सही मायने में सफल भी। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता। यही कारण है कि आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़कर सैकड़ों नौजवान आज देश में ऐसे काम कर रहे हैं जिसका उनकी डिग्री से कोई लेना देना नहीं है। मसलन झुग्गियों में बच्चों को पढ़ाना, आध्यात्मिक आन्दोलनों में भगवत्गीता का प्रचारक बनना या गांव के नौजवानों के लिए छोटे-छोटे कुटीर उद्योग स्थापित करने में मदद करना। दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गयी है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं। जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं मोटी रकम होता है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी यह छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दाव पर लगा देना होता है। इतना रूपया खर्च करके भी जो डिग्री मिलती है उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती। तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रूपया लगाकर भी उसने दी गयी फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पाई। तब उनमें हताशा आती है। आज हालत यह है कि यों की दुकानों पर सेल्समैन का काम कर रहे हैं। समय और पैसे का इससे बड़ा दुरूपयोग और क्या हो सकता है? इसलिए समझ की बजाय रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करने में ही समझदारी है। लेकिन देखा यह गया है कि कुछ कोचिंग संस्थान परीक्षा पास कराने के लिए रटने पर जोर देते हैं। जिससे छात्रों की तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित नहीं हो पाती। ऊपर से कोचिंग सेंटरों की बढ़ती फीस ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एक अतिरिक्त बोझ बन रही है। सोचने वाली बात यह है कि जब छात्र स्कूल की पढ़ाई को महत्व नहीं देते, तो विद्यालयों की गुणवत्ता और भी गिरती जाती है। इससे शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है।

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा, आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा। नवविवाहित दंपति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आएगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, इससे नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे। आज आपको बात करते समय अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, अन्यथा आपका विरोध हो सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आएगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। व्यवसाय कर रहे लोग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख प्राप्त होगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज घर के कामों को करने के बाद फोन पर बातचीत करके अपना कुछ समय व्यतीत करेंगी।

तुला राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखदर हेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

धनु राशि : आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। किसी पार्क में परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की संभावना है। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से संपर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों को गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे, गौ सेवा करने का मन बनाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा। ऑटो मोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जाएंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पॉजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जाएगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं।

केजरीवाल और आप का राजनीति का नशा उतरा

अनिल चतुर्वेदी

कहते हैं वक्त खऱाब हो तो ऊँट पर बैठे आदमी को भी कुत्ता काट लेता है। दिल्ली विधानसभा के इन चुनावों में लगता है अरविंद केजरीवाल केजरीवाल और उनकी पार्टी आप के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ दिखा। दिल्ली में लोगों और ख़ासकर महिलाओं को केजरीवाल ने जो सुविधाएं मुहैया कराई उनसे ज़्यादा उन्होंने भविष्य में मिलने का वादा की गईं सुविधाओं पर भरोसा कर भाजपा को उम्मीद से ज़्यादा वोट दिए। या यूँ कहिए कि मोदी है तो मुमकिन हुआ पर साथ ही यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आप पार्टी के पिछले तीन चुनावों से मोदी प्रधानमंत्री हैं पर तब क्यूं नहीं मोदी मुमकिन कहना सार्थक हो सका । तभी इन चुनावों में केजरीवाल की हार के बाद यह कहावत भी सटीक है कि वक्त तो ऊँट पर बैठा नेता केजरीवाल चुनाव हार गए। दिल्ली में महिलाओं को मिल रहीं सुविधाएँ गर्भ में चलीं गई भविष्य में मिलने वाली सुविधाओं पर भरोसा हुआ और ऐसा कि एक दशक से सत्ता में बैठे केजरीवाल और उनकी पार्टी का राजनीति का नशा उतर गया। महिलाओं ने पुरुषों से कहीं अधिक वोट भाजपा डाल जता दिया कि केजरीवाल को देखलिया अब भाजपा को देखेंगे। महिलाओं ने जहां 61.92 फ़ीसद वोट डाले वहीं पुरूषों ने 60.21 ही वोट डाले। यही नहीं वोटिंग में भी महिलाएँ आगे रहीं। तभी कहा जा रहा है कि भाजपा की इस जीत में महिला फ़ैक्टर ज़्यादा रहा। अब भले 2020 के चुनाव में आप पार्टी ने महिलाओं को बसों में मुफ़्त यात्रा सुविधा दी और यह आप की जीत का आधार बना था। और इस बार भी महिलाओं की लिए सुविधाओं का पिटारा खुलना था जिसमें फ्री बस के अलावा महिला सम्मान योजना में 2100 रूपये हर महीने देने का वादा था। यही नहीं कांग्रेस की तरफ़ से भी 2500 रूपये हर महीने देने का वादा था और साथ ही गरीब महिलाओं को 500 में सिलेंडर के अलावा त्योहार पर पर फ्री गैस सिलेंडर के अलावा 2100 रूपये भी देने का वादा था। लेकिन भाजपा की ओर से बुजुर्गों को पेंशन,2000 रूपये हर महीने से बढ़ाकर 2500 के अलावा पेंशन राशि बढ़ाने के साथ ही झुग्गी बस्ती में अटल कैंटीन और फिर मोदी की गारंटी पर पर ज्या भरोसा कर भाजपा के लिए वोट दिए। और भाजपा ने 70 में 48 सीटें जीतीं। भला हो दिल्ली के लोगों और ख़ासकर महिलाओं का कि भाजपा उनसे किए गए वादें को पूरा करें और अगले चुनावों के लिए अपनी जमीन पक्की पर अगर इन वादों और केजरीवाल की योजनाओं को जारी रखने का वादा पूरा करने की बजाए इन्हें पिछले चुनावी वादों की तरह चुनावी जुमला करार दे दिया गया तो क्या तो होगा वादों का और कैसे कहेंगे लोग कि मोदी है तो मुमकिन है । विधानसभा चुनावों में 70 सीटों में से 48 सीटें जीतने वाली भाजपा के सामने अब दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनने की चुनौती है। यूँ सीएम बनने की चाहत में दिल्ली भाजपा के पुराने और धुरंधर नेता चुनाव जीतने के बाद से गणेश पर्क्रिमा लगे हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के फ़्रांस और अमेरिका के दौरे के बाद यानी 15 फ़रवरी तक सीएम के नाम का एलान हो सकेगा। और जीते हुए विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह भी इसी दौरान होगा। कहा जा रहा है कि सीएम बनाते समय बिहार और फिर यूपी में होने वाले चुनावों में पार्टी की चुनौतियों को भी ध्यान रखा जाना है। इस हिसाब से सांसद मनोज तिवारी भी इस क़तार में माने जा रहे हैं। जबकि दावा अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली से हराने वाले प्रवेश वर्मा के समर्थक भी दबाव बनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि सीएम की लाईन में जनकपुरी से जीते वरिष्ठ नेता आशीष सूद ,मालवीय नगर से जीते पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय,रोहिणी से जीते और विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंदर गुप्ता,और संघ की पृष्ठभूमि से निकले पवन शर्मा भी शामिल हैं। पर दारोमदार आकाओं के हवाले है। दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों को मनोज तिवारी को सीएम बनाए की उम्मीद है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के सातों में से अकेले मनोज तिवारी को ही टिकट दिया गया था और जीते भी। शालीन और मृदुभाषी तिवारी विवादों में भी कम ही रहे है। चर्चा तो है कि राजस्थान,एमपी और दूसरे राज्यों की तरह सीएम के किए गए सिलेक्शन की तरह दिल्ली में कोई चौंकाने वाला नाम इस पद के लिए लाया जा सकता है। भला

किसकी परिक्रमा सफल रहती है और सीएम कौन बनाया जाता है सीएम पर सीट पर बैठने के साथ ही चुनौतियाँ भी शुरू हो जानी हैं ख़ास यह भी कि विपक्ष केजरीवाल सरीखे खूंसट और उनके साथियों का रहना है। विधानसभा की हॉट सीटों में से एक कालकाजी सीट से जीतीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को अपनी जीत के लिये वोटरों के अलावा प्रतिद्वंद्वी भाजपा के रमेश विधूडी और कांग्रेस की अलका लांबा का भी शुक्रगुज़ार करना चाहिए। इनमें से भी रमेश बिधूडी का ख़ासतौर से। भाजपा के सांसद रहे बिधूडी अपने व्यवहार और बेबाक़ी के लिए पहचाने जाते रहे हैं भले संसद हो या फिर विधानसभा चुनाव सीट। जिस तरह उन्होंने पिछले दिनों संसद में अपने ही एक साथी को गरिआया उसी तरह उन्होंने इन चुनावों में दिल्ली की मुख्यमंत्री और इस चुनाव में कालकाजी से आप पार्टी की दावेदार और उनकी प्रतिद्वंद्वी आतिशी को भी उन्होंने खूब गरिआया । संसद में उनकी बेबाक़ी को तो पार्टी ने अनदेखा कर दिया था पर शायद दक्षिण दिल्ली की इस सीट के वोटरों को उनका मिज़ाज भाया नहीं। और जबाव उन्हें अपने वोट से दिया। सच पूछो तो इस हार के बाद वे दिल्ली का सीएम बनने की इच्छा से चूक गए। वरना तो बिधूडी का चेहरा सीएम के बाक़ी चेहरों से कोई कम नहीं था। कमोवेश ऐसा ही कांग्रेस की अलका लांबा के साथ कांग्रेसी नेताओं के व्यवहार से भी आतिशी को राहत मिली।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं विराट

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। विराट इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष खिलाड़ी बन सकते हैं। भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दौरान सभी की नजरें विराट कोहली पर रहेंगी। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में सभी को उनसे अधिक से अधिक रन बनाने की उम्मीदें रहेंगी। विराट अपनी चौथी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हैं। विराट ने अब तक 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं और इस प्रकार वह भारतीय टीम के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के सफल बल्लेबाज बनने के लिए केव 173 रन चाहिये। अभी शिखर धवन के नाम चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन हैं, जिन्होंने 2013 और 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 701 रन बनाए थे। धवन दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारत ने 2013 में ट्रॉफी जीती थी जबकि 2017 में टीम फाइनल तक पहुंची थी। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 665 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2000 और 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी खेले थे। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में 12 पारियों में 529 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका औसत 88.16 का है और उन्होंने 53 चौके लगाए हैं। भारत को इस टूर्नामेंट में कम से कम तीन मैच खेलने हैं, और कोहली के पास रन बनाकर इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का सुनहरा अवसर होगा।

आईपीएल 2025 में इस बार दिखेंगे बदलाव

मुम्बई। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गर्वनिंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का रूल जारी रहेगा। हालांकि इम्पैक्ट प्लेयर रूल को लेकर पिछले साल काफी बवाल भी हुआ था। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने इस रूल की आलोचना की थी। बावजूद इसके आगामी सीजन में इम्पैक्ट खिलाड़ियों का रूल जारी रहेगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत पर हावी रही है पाकिस्तान टीम

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सभी को भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होने वाले अहम मुकाबले का इंतजार है। दोनो ही टीमों को इसमें जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अभी दोनो ही टीमें अच्छे फॉर्म में हैं। ऐसे में इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम हमेशा ही आईसीसी टूर्नामेंटों में हावी रही है और वह केवल एक बार ही हारी है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम को अधिक सफलता मिली है। उसने भारतीय टीम को 3 बार हराया है. ऐसे में टीम इंडिया को उसके खिलाफ मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक 5 मुकाबले हुए हैं। इनमें से भारतीय टीम दो ही जीत पायी है। वहीं पाकिस्तान ने ने तीन मैच जीते हैं। इसके अलावा उसने पिछली बार फखर जमां के शतक से 2017 में खेले गये इस टूर्नामेंट में खिताब भी जीता था। दोनों ही टीमों में उस समय के आधे खिलाड़ी अब भी हैं। ऐसे में भारतीय टीम इस बार उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार 1998 में आयोजित हुई पर भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 2004 में हुआ। इंग्लैंड में खेली गई चौथी चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें पहली बार टकरायीं। तब पाकिस्तान ने यह मुकाबला 3 विकेट से जीता। इसके बाद 2009 में भी पाक ने भारतीय टीम को 54 रन से हराया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को पाकिस्तान पर पहली जीत साल 2013 में मिली। तब भारतीय टीम ने बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता। उस मै खेले रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अब भी भारतीय टीम में शामिल हैं। साल 2017 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाक के बीच दो बार मुकाबला हुआ। तब भारतीय टीम ने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 124 रन से हराया पर फाइनल में पाक टीम को जीत मिली। पाकिस्तान ने फाइनल में भारतीय टीम को 180 रनों से हराया था।

रणजी टीम से भी बाहर हुए यशस्वी

मुम्बई। युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यशस्वी रणजी ट्रॉफी में खेलने जा रहे थे पर अब वह भी संभवन नहीं है। यशस्वी चोटिल होने के कारण रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से भी बाहर हो गए हैं। रणजी सेमीफाइनल नागपुर के जामठा में सोमवार से मुंबई और विदर्भ के बीच शुरु होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी के बाएं टखने में दर्द है और उनको जांच के लिए बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ले जाया जाएगा। आज रविवार को नागपुर में मुंबई के अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर नेट्स में बल्लेबाजी करते समय उन्हें दर्द उभरने लगा। कहा जा रहा है कि उनकी पुरानी चोट फिर से उभर आई है। अब उनकी रिकवरी प्रक्रिया बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी। यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और दोनो को ही नॉन ट्रैवलिंग सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया है। इससे साफ है कि जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो विकल्प के तौर पर इन्हें शामिल किया जाएगा। यशस्वी ने इस सत्र कमात्र रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेला था।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में केवल एक अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ उतर रही भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम को 19 फरवरी से होने वाली आईसीस चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा भी पिछले कुछ समय से लगातार असफल रहे है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस ट्रॉफी का जीतकर प्रशंसकों को खुश करना रहेगा। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। इसका कारया मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नहीं होना है। बुमराह ने पिछले कुछ समय में हर सीरीज में अबसे अधिक विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास मोहम्मद शमी के अलाव कोई भी अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं है। टीम के पास अन्य तेज गेंदबाजों में युवा हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह है। वहीं टीम पांच स्पिनरों के साथ जा रही है।टीम के साथ रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर रहेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिलती रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 एकदिवसीय खेले गये हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकॉनामी दर से 466 विकेट मिले हैं। वहीं स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। वहीं भारतीय टीम 5 स्पिनर लेकर जा रही है और उसे ये रणनीति भारी पड़ सकती है। उसके पास स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं जबकि विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव हैं। पांच स्पिनरों को लेकर जाने पर भी सवाल उठ रहे है क्योंकि दुबई की पिचों पर स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है।

टीम में शामिल रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं और अब देखना है कि वह क्या करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से किसी ने भी वरुण का पहले सामना नहीं किया है। जडेजा और अक्षर का खेलना लगभग तय है और वरुण के खेलने पर कुलदीप यादव को बाहर रहना पड़ सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, दुबई में पिच से गेंदबाजों को शारजाह की तुलना में अधिक मदद मिलती है।

सेंसेक्स की 10 में से आठ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.03 लाख करोड़ घटा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 2,03,952.65 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 67,526.54 करोड़ रुपये घटकर 16,46,822.12 करोड़ रुपये, टीसीएस का मूल्यांकन 34,950.72 करोड़ रुपये घटकर 14,22,903.37 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 28,382.23 करोड़ रुपये घटकर 12,96,708.35 करोड़ रुपये, आईटीसी की 25,429.75 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,13,699.85 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 19,287.32 करोड़ रुपये घटकर 7,70,786.76 करोड़ रुपये, एसबीआई की बाजार हैसियत 13,431.55 करोड़ रुपये घटकर 6,44,357.57 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 10,714.14 करोड़ रुपये घटकर 5,44,647 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,230.4 करोड़ रुपये घटकर 5,20,082.42 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 22,426.2 करोड़ रुपये बढ़कर 9,78,631.54 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,182.57 करोड़ रुपये बढ़कर 8,88,815.13 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का स्थान रहा।

गुगल क्रोम यूजर्स हो जाएं अलर्ट, भारत सरकार ने जारी की चेतावनी; हो सकता है बड़ा नुकसान

नई दिल्ली । भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी, कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ष्टश्वक्रञ्ज-द्धठ्ठ) ने गूगल क्रोम इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। एजेंसी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि विंडोज और मैकओएस ऑपरेटिंग सिस्टम पर गूगल क्रोम ब्राउजर का उपयोग करने वाले सभी उपयोगकर्ता तत्काल सतर्क हो जाएं और अपने ब्राउजर को नवीनतम संस्करण में अपडेट करें। ष्टश्वक्रञ्ज-द्धठ्ठ द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, गूगल क्रोम में कुछ सुरक्षा कमजोरियां पाई गई हैं। ये कमजोरियां एक्सटेंशन ्रक्कढ्ढ के त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन और स्न्नद्बद्ग, ड्ड8 के पुराने संस्करणों के उपयोग के कारण उत्पन्न हुई हैं। इन सुरक्षा खामियों का फायदा उठाकर साइबर अपराधी और स्कैमर उपयोगकर्ताओं को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। एजेंसी ने बताया कि क्रोम ब्राउजर के मुख्य घटकों में मौजूद ये कमजोरियां उपयोगकर्ताओं के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती हैं। इन कमजोरियों का फायदा उठाकर, दूर बैठा कोई भी हमलावर, बिना आपके डिवाइस को छुए, आपको अपना शिकार बना सकता है। एक विशेष रूप से तैयार किए गए दुर्भावनापूर्ण वेबपेज के माध्यम से आपके डिवाइस में अवैध रूप से प्रवेश किया जा सकता है। इसके बाद, आपकी संवेदनशील निजी जानकारी की चोरी, पहचान की चोरी और यहां तक कि आपके बैंक खातों से धोखाधड़ी जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियां भी की जा सकती हैं। हालांकि, गूगल क्रोम आमतौर पर स्वचालित रूप से नवीनतम संस्करण में अपडेट हो जाता है, लेकिन यदि आपने अभी तक अपने ब्राउजर को अपडेट नहीं किया है, तो तत्काल अपडेट करना सुनिश्चित करें। यदि आपको अभी तक अपडेट प्राप्त नहीं हुआ है, तो आपको इसके जारी होने की प्रतीक्षा करनी होगी। ष्टश्वक्रञ्ज-द्धठ्ठ के दिशानिर्देशों के अनुसार, लिनक्स पर 133.0.6943.53 से पहले के क्रोम संस्करण और विंडोज या मैक पर 133.0.6943.53/54 से पहले के क्रोम संस्करण सुरक्षा जोखिम की श्रेणी में आते हैं। इसलिए, सभी गूगल क्रोम उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत अपने ब्राउजर को नवीनतम संस्करण में अपडेट करने की सलाह दी जाती है।

ऑटो टैरिफ योजना पर ट्रंप जल्द करेंगे बड़ा ऐलान, बढ़ सकती हैं दक्षिण कोरियाई ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की मुश्किलें

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल की शुरुआत में आयातित कारों पर टैरिफ की घोषणा करेंगे, जो दक्षिण कोरियाई ऑटोमोटिव उद्योग के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति 2 अप्रैल को ऑटो टैरिफ की घोषणा करने जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ का इस्तेमाल अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और अनधिकृत प्रवासियों और ड्रग्स के प्रवाह को रोकने सहित दूसरे नीतिगत लक्ष्यों को पाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कर रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ-आधारित नीति के बीच, यह आशंकाएं बढ़ रही हैं कि एशिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उनके प्रशासन के निशाने पर आ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दक्षिण कोरिया का व्यापार अधिशेष 55.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप ने अपने सहयोगी से पूछा, मुझे लगता है कि हम इसे 2 अप्रैल को करने जा रहे हैं। क्या यह सही है? जिसके जवाब में उनके सहयोगी ने कहा, यह सही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि क्या वे 2 अप्रैल को ही टैरिफ की घोषणा करेंगे या वे उसी दिन प्रभावी हो जाएंगे। दक्षिण कोरिया के लिए अमेरिका एक टॉप ऑटो निर्यात बाजार है। पिछले साल दक्षिण कोरिया के कुल कार निर्यात में से, अमेरिका को निर्यात 34.7 बिलियन डॉलर या 49.1 प्रतिशत था। द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के तहत 2016 से कोरियाई कारों पर कोई अमेरिकी टैरिफ नहीं लगाया गया है। ऑटो टैरिफ की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ट्रंप प्रशासन अमेरिकी आयातों पर 'रेसिप्रोकल' टैरिफ लगाने पर जोर दे रहा है, जो दूसरे देशों द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए जाने वाले टैरिफ से मेल खाएगा। इससे पहले ही 12 मार्च से स्टील और एल्युमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना की घोषणा कर दी गई है, जबकि चिप्स और फार्मास्यूटिकल्स पर नए टैरिफ पर विचार किया जा रहा है। दक्षिण कोरियाई अधिकारी ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, क्योंकि उन्हें चिंता है कि दिसंबर की शुरुआत में राष्ट्रपति यून सुक योल के मार्शल लॉ के प्रयास के कारण सोल में राजनीतिक अनिश्चितता के बीच वाशिंगटन के साथ पॉलिसी कॉर्डिनेशन पहले के मुकाबले धीमा हो सकता है। दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री चो ताए-युल ने कहा है कि वह शनिवार को जर्मनी के म्यूनिख में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मंच के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ टैरिफ मुद्दे पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने पहले ही अमेरिका में आने वाले सभी चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जबकि उन्होंने कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने को अस्थायी रूप से रोक दिया है, क्योंकि दोनों देश अमेरिका के साथ अपनी सीमाओं पर मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के प्रयासों को बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

भारत-अमेरिका के बीच समुद्र में 50,000 किलोमीटर की अंडरसी केबल बिछाएगा मेटा, डिजिटल कनेक्टिविटी में होगा सुधार

नई दिल्ली। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप की प्रवर्तक कंपनी मेटा ने 50,000 किलोमीटर की लंबाई के अंडरसी केबल प्रोजेक्ट 'वाटरवर्थ' का ऐलान किया है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारत-अमेरिका के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट से दोनों देशों के बीच हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी का एक नया दौर शुरू होगा और इससे भारत के डिजिटल इकोसिस्टम को भी सपोर्ट मिलेगा। मेटा ने बताया कि नया प्रोजेक्ट वाटरवर्थ अमेरिका, भारत, ब्राजील, साउथ अफ्रीका और अन्य महत्वपूर्ण रीजन में इंडस्ट्री-लीडिंग कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा और यह प्रोजेक्ट इस दशक के अंत तक पूरा हो सकता है। कंपनी ने आगे कहा कि प्रोजेक्ट वाटरवर्थ से इन इलाकों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ेगा, डिजिटल पहुंच बढ़ेगी और टेक्नोलॉजी विकास के नए अवसर खुलेंगे। एक बार जब यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा, इससे दुनिया के पांच महाद्वीप जुड़े होंगे और इसकी लंबाई 50,000 किलोमीटर होगी। यह उपलब्ध उच्चतम क्षमता वाली टेक्नोलॉजी का उपयोग करके बनाई गई दुनिया का सबसे लंबा समुद्री केबल प्रोजेक्ट होगा। मेटा के लिए यह प्रोजेक्ट काफी अहम है, क्योंकि कंपनी के सभी प्लेटफॉर्म पर भारत में यूजर्स की संख्या 100 करोड़ से भी ऊपर है। भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट भी तेजी से गांव और कस्बों तक पहुंच रहा है। ऐसे में मेटा इन सभी को अपने यूजर्स के रूप में देखती है और इससे कंपनी के लिए कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। मेटा ने अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि कंपनी अपनी तरह की पहली रूटिंग का उपयोग कर रही है, जिसके तहत समुद्र में 7,000 मीटर तक की गहराई पर पानी में केबल बिछाई जाएगी। इसके अलावा जहाज के लंगरों और अन्य खतरों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों, जैसे कि तट के पास उथले पानी में दफन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा। प्रोजेक्ट वाटरवर्थ एक मल्टी-बिलियन डॉलर प्रोजेक्ट है। इससे डिजिटल हाईवे की विश्वसनीयता और पैमानों में बढ़ोतरी होगी। यह प्रोजेक्ट इस दशक के अंत तक पूरा हो सकता है। मेटा के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, भारत में डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग से प्रेरित होकर, यह निवेश आर्थिक विकास, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल समावेशन के प्रति मेटा की प्रतिबद्धता को दिखाता है और यह भारत के संपन्न डिजिटल परिदृश्य और टेक्नोलॉजी इनोवेशन को भी बढ़ावा देता है।

सनम तेरी कसम के बाद हर्षवर्धन राणे ने अनाउंस की नई लव स्टोरी दीवानियत, टीजर भी आया सामने

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की सनम तेरी कसम की री-रिलीज ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है. इसी बीच हर्षवर्धन ने एक और रोमांटिक लव स्टोरी का एलान किया है. खास बात ये है कि उन्होंने इसकी घोषणा प्यार के दिन वैलेंटाइन डे पर की है जिसमें उन्होंने वादा किया कि फिल्म रोमांचक और दिल को झकझोर देने वाली होगी. सनम तेरी कसम की अपार सफलता के बाद अब हर्षवर्धन दीवानियत लेकर आ रहे हैं. जिसकी अनाउंसमेंट उन्होंने एक शानदार मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए की है. मोशन पोस्टर में एक खून से लथपथ हाथ में एक गुलाब का फूल है. इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, हमारी अपकमिंग फिल्म की घोषणा, दीवानियत हर्षवर्धन राणे स्टारर एक दिल को झकझोर कर देने वाली म्यूजिकल लव स्टोरी, सनम तेरी कसम की री-रिलीज की ग्रैंड सक्सेस के बाद. बता दें फिल्म को 2025 को अंत तक रिलीज किए जाने की योजना है. हर्षवर्धन राणे ने आगामी फिल्म के लिए अपनी उत्सुकता दिखाते हुए कहा, मैं दर्शकों का आभारी हूं कि उन्होंने सनम तेरी कसम के लिए मुझे इतना प्यार दिया है. एक लव स्टोरी काफी पावरफुल होती है, जब मैंने दीवानियत में अपने रोल और कहानी के पागलपन, जुनून को सुना, तो मैंने तुरंत इसे अपनी अगली फिल्म के रूप में चुना. उन्होंने आगे कहा, मैं अपने निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी और निर्माता अमूल वी मोहन, अंशुल मोहन के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हूं. उम्मीद है कि दर्शकों को भी यह दिल तोड़ने वाली लव स्टोरी पसंद आएगी. हाई-वोल्टेज स्टोरीटेलिंग (सत्यमेव जयते, मरजावां) के मास्टर मिलाप मिलन जावेरी द्वारा निर्देशित और मुश्ताक शेख (ओम शांति ओम) द्वारा लिखित यह फिल्म बड़े पर्दे पर जुनून और दिल टूटने की एक एपिक कहानी का वादा करती है. इस म्यूजिकल लव स्टोरी के लिए लीड एक्ट्रेस की घोषणा जल्द की जाएगी. द साबरमती रिपोर्ट के मेकर्स द्वारा बनाई गई दीवानियत इस साल फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और इसे 2025 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा.

मलाइका अरोड़ा ने दिखाया मदमस्त अंदाज

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख फैंस के छूटे पसीने

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस और फैशनिस्ट मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और क्साली फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। मलाइका अरोड़ा की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो ग्लैमरस और हॉट लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों को ओपन कर के, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिपस्टिक लगाकर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक कई सारे यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल मल्ला। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस 51 साल की हो गई हैं, लेकिन आज भी अपनी हॉटनेस से इंटरनेट पर तबाही मचाती रहती हैं।

मिथिला पालकर ने अपनी पहली तमिल फिल्म यात्रा को वास्तव में विशेष बताया

अभिनेत्री मिथिला पालकर ने अपनी बहुप्रतीक्षित पहली तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी कर ली है और अभिनेत्री खुशी और उत्साह से अभिभूत हैं। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, मिथिला ने कहा, मैंने अपनी पहली तमिल फिल्म पूरी कर ली है और मैं हर किसी के इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती! ऐसा लगता है जैसे कल ही हमने मुहूर्त शॉट शूट किया था और अब, हमने शूटिंग पूरी कर ली है - यह एक अद्भुत एहसास है। यह यात्रा वास्तव में खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा तमिल में अपनी लाइनें सीखना

निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसका पूरा आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मुझे बहुत स्वागत और घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं तमिल भाषा नहीं बोल पाता। उनके निरंतर समर्थन और गर्मजोशी ने इस प्रक्रिया को बहुत आसान और और भी मज़ेदार बना दिया. मिथिला ने आगे कहा, सिर्फ फिल्मांकन के अनुभव से परे, मुझे संस्कृति में डूबने का मौका मिला, मैंने अपना ज़्यादातर समय यहाँ बिताया और इस दौरान बहुत कुछ सीखा। यह फिल्म सीखने और विकास की यात्रा रही है, और मैं अपने दर्शकों को इस नए अवतार में देखने के लिए बेताब हूँ! ओहो एंथन बेबीका निर्देशन कृष्णकुमार रामकुमार ने किया है और इसका निर्माण रोमियो पिक्चर्स, विष्णु विशाल और डी कंपनी ने किया है। इस बीच, मिथिला पालकर हाल ही में फिल्म 'स्वीट ड्रीम्समें नज़र आईं, जहाँ उन्होंने गीतकार दीया का किरदार निभाया। विक्टर मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सपनों की असली दुनिया से जुड़े दो अजनबियों की कहानी है। इस फिल्म में अमोल पाराशर, मेयांग चांग और सौरसेनी मैत्रा भी थे। 'स्वीट ड्रीम्स24 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई। फिल्म के बारे में बात करते हुए मिथिला ने कहा, दीया की कहानी ऐसी है जिससे हममें से कई लोग खुद को जोड़ पाएंगे क्योंकि वह भ्रमित है, महत्वाकांक्षी है और कुछ और पाने की चाहत रखती है। केनी के साथ उसके जो सपने हैं, वे सिफ़र् रोमांस के बारे में नहीं हैं; वे यह समझने के बारे में हैं कि वास्तव में क्या मायने रखता है। इस फिल्म की शूटिंग करना एक भावनात्मक यात्रा की तरह लगा।

आदर्श गौरव की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर जारी, 28 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. ट्रेलर में एक ऐसी कहानी है जिसमें कुछ लड़के अपनी आम जिंदगी से उठकर कुछ बड़ा करने का सोचते हैं और अपने ही गांव यानि मालेगांव में फिल्म बनाने का सोचते हैं. जिसका नाम है- मालेगांव की शोले. ट्रेलर की शुरुआत में एक प्लेन को देखकर दो दोस्त उसके बारे में बात करते हैं कि क्या चीज बनाई है और वे उसमें बैठने का सपना देखते हैं. इस फिल्म में आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, विनीत कुमार सिंह, पल्लव सिंह जैसे कलाकार हैं. जो बात करते हैं मुंबई जाने की लेकिन इनमें से एक बोलता है कि मुंबई जाने की क्या जरुरत है हम यहीं अपने गांव में मुंबई को ले आते हैं. यहीं पिक्चर बनाते हैं. घर से उनको सख्त हिदायत मिल जाती है कि जो बनाना है बनाओ लेकिन घर से एक पैसा नहीं मिलेगा. कुछ दोस्त कहते हैं कि हम खजूर की दुकान चलाते हैं, हम लोग जन्म गरीब हैं, पिक्चर बनाने का कैसे सोच सकते हैं. लेकिन एक दोस्त सबको मोटिवेट करता है कि हम कुछ अलग कर

सकते हैं, जो हमारा अपना हो और फिर सब साथ हो जाते हैं और फिल्म बनाने की शुरुआत करते हैं जिसका नाम है- मालेगांव की शोले. सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को कई फिल्म फेस्टिवल में तारीफ मिल चुकी है. फिल्म मालेगांव के आम लोगों की है जिसमें नासिर शेख अपने दोस्तों के साथ फिल्म बनाने का सपना देखता है और उसे पूरा करता है. अब देखना है कि थिएटर में दर्शक इसे कैसा रिस्पॉन्स देते हैं. फिल्म को रीमा कागती ने निर्देशित किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर, रीमा कागती ने प्रोड्यूस किया है. फरहान अख्तर ने इसका ट्रेलर एक्स पर लॉन्च करते हुए लिखा, क्योंकि सिनेमा सपनों को देखने का हौंसला देता है, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर रिलीज हो गया है. 28 फरवरी को देखें अपने नजदीकी सिनेमाघरों में.

DOGE cancels $21 million US funding for voter turnout in India

Agency: The United States has cancelled millions of dollars in funding for several countries, including India and Bangladesh as the new administration led by President Donald Trump makes budget cut. Elon Musk's Department of Government Efficiency (DOGE) on Sunday announced that the US has decided to slash a $21 million program designed to increase voter turnout in India and a $29 million initiative aimed at strengthening Bangladesh's political landscape.

"US taxpayer dollars were going to be spent on the following items, all of which have been cancelled," the Musk-led department announced on X. The decision, part of broader cuts to international aid, will impact key initiatives aimed at improving electoral processes and political stability in both countries. The cuts reflect a reassessment of US foreign aid priorities and a broader push to curtail spending on international development projects. Elon Musk has time and again asserted that "America would go bankrupt" without budget cuts and the initiative seems to be in line with the budget overhaul that the administration has been planning. The $21 million earmarked for India was specifically targeted to boost voter participation in the country's elections. However, this funding will no longer be available, as announced by DOGE on social media platform X. Notably, the announcement comes just days after Donald Trump met Indian Prime Minister Narendra Modi and the two leaders made significant announcements to strength US-India ties. However, this did not find a mention in the joint statements or the press conference, In Bangladesh, the $29 million program was designed to foster political stability and enhance democratic governance. The country has been grappling with a political crisis with Army ousting Sheikh Hasina-led government amid violent protests.

Even though Hasina fled to India and an interim government led by Mohammad Yunus is now ruling the country, political stability has not been achieved yet. BJP's Amit Malviya reacted to the announcement, saying, "- $486M to the "Consortium for Elections and Political Process Strengthening," including $22M for "inclusive and participatory political process" in Moldova and $21M for voter turnout in India. $21M for voter turnout?

This definitely is external interference in India's electoral process. Who gains from this? Not the ruling party for sure!" Elon Musk's DOGE, an initiative by Donald Trump's administration as he returned to office for a second term, aims to carry out his agenda of federal spending cuts and deregulation. The order that established it, says it was formed to "modernise federal technology and software to maximise governmental efficiency and productivity." Recently, Donald Trump credited DOGE for finding tens of billions of dollars in government savings. Speaking to reporters on February 11, Trump stated, "We're talking about tens of billions of dollars that we've already found. But you're talking about maybe 500 billion. It's crazy the numbers you're talking about," as reported by Agencies.

Other Countries Impacted

- $10M for Mozambique voluntary medical male circumcision
- $ 23M for strengthening independent voices in Cambodia
- $ 14M for improving public procurement in Serbia
- $ 22M for inclusive and participatory political process in Moldova
- $ 15M for voter confidence in Liberia
- $ 14M for social cohesion in Mali

Delhi cops say similar train names caused confusion, led to deadly stampede

Agency: The Delhi Police said two trains having a similar name of 'Prayagraj' and the announcement of one of them arriving at platform 16 at the New Delhi railway station led to confusion which later caused a stampede killing 18 people. Police said the announcement of Prayagraj Special arriving at platform 16 led to confusion among people as another train with a similar name, Prayagraj Express, was already at platform 14. Passengers who couldn't reach their train at platform 14 thought it was arriving at platform 16. The last-minute panic and movement of the people burdened with heavy luggage from one platform to another led to the stampede, police said. Additionally, there were four trains heading to Prayagraj, out of which three were delayed, leading to an unprecedented crowding from Platforms 12 to 16, according to the Delhi Police. The Delhi Police's statement came after the Northern Railways said no platforms were changed, and a passenger fell on the footover bridge between platforms 14 and 15, causing others behind him to stumble, leading to the tragic incident.

Himanshu Shekhar Upadhyay, the Chief Public Relations Officer (CPRO) of Northern Railways, said that the tragic incident occurred after a passenger slipped on the foot overbridge between Platforms 14 and 15, causing others behind him to fall. Calling it a "normal rush", Upadhyay said no trains were cancelled and the timings of them were not changed. He clarified that additional special trains to cater to the burgeoning crowd of Maha Kumbh devotees were run and that no platforms were changed. He asserted that the situation was under control and train operations were running smoothly. On Saturday, 18 people died and dozens of others were injured in a stampede triggered by a sudden rush of passengers heading towards Prayagraj for the Maha Kumbh Mela. Those who died comprised nine women, five children and four men. As per information, the eldest victim was 79 years old, while the youngest was a seven-year-old girl. According to an enquiry report, hundreds of passengers were waiting on Platform 14 of the New Delhi railway station to board a train for Prayagraj. A large number of travellers also gathered at the adjacent Platform 13 to board the Swatantrata Senani Express, which runs from New Delhi to Darbhanga. However, the Swatantrata Senani Express was delayed and rescheduled to depart at midnight, due to which the passengers remained on the platform. As a result of the additional ticket sales, the number of travellers started to increase on Platform 14, leading to overcrowding, with hardly any empty space for people to even stand on, the report said. On Sunday, Delhi Police said it would launch a probe into the stampede and said it would analyse CCTV footage to ascertain what exactly happened before the tragedy unfolded. The Railways announced a Rs 10 lakh compensation for families of the victims; Rs 2.5 lakh for the seriously injured; and Rs 1 lakh for those with minor injuries.

Akshay Kumar touches Big B's feet, takes cricket tips from Sachin Tendulkar

Agency: Amitabh Bachchan along with Akshay Kumar and Sachin Tendulkar, along with a plethora of stars attended the Indian Street Premier League (ISPL) Season 2 finale. One of the moments from the event, a video of Akshay touching Amitabh's feet in respect, has gone viral. The finale took place between Majhi Mumbai and Srinagar Ke Veer in Thane, Mumbai. The Sholay actor attended the finale to show his support to the Majhi Mumbai team, while Akshay was present with his daughter, Nitara, to support his team, Srinagar Ke Veers. A viral video showed Akshay meeting Amitabh and touching his feet as a sign of respect. The Sooryavanshi actor even shared a photo from the sport event with Sachin Tendulkar. In the caption, Kumar shared his fondness for the cricket legend as he took masterclass from the Master Blaster (a name that is often associated with Sachin). "Catches win matches—Masterclass from the Master Blaster! Congratulations to Sachin, Mr Bachchan, and the entire Majhi Mumbai team on their victory. To my Srinagar Veers, immense pride in the fight we put up—our day will come (sic)," Akshay wrote alongside the picture.

Another clip from the match showed Akshay cheering for his team with Nitara as the father-daughter duo was seen chatting and enjoying the match. Majhi Mumbai won the title, after beating Srinagar by three wickets. Meanwhile, on the work front, Akshay is currently shooting for Priyadarshan's Bhooth Bangla, co-starring Tabu and Paresh Rawal. The film is slated to release on April 2, 2026. Additionally, he will appear in Kesari Chapter 2 – The Untold Story of Jallianwala Bagh alongside R Madhavan and Ananya Panday. Amitabh Bachchan, on the other hand, is currently busy hosting Kaun Banega Crorepati 16.

'Faaltu hai Kumbh': Lalu Yadav's remark on Delhi stampede sparks row

Agency: Rashtriya Janata Dal (RJD) chief Lalu Prasad sparked a controversy on Sunday after he called the Maha Kumbh "faaltu (meaningless)". His remarks came while commenting on the stampede at the New Delhi Railway station, in which 18 people lost their lives and many were left injured as passengers rushed to board trains bound for Prayagraj. When asked to comment on the large crowds heading to the mega religious gathering and suggestions for crowd management, Prasad said, "Kumbh ka kahan koi matlab hai. Faltu hai Kumbh (Is there any meaning to Kumbh?... It is just meaningless)." The RJD chief called the incident an "unfortunate one" and blamed the Railways' "mismanagement" for it. "The incident is very unfortunate and I offer my condolences to the victims. This is a mismanagement by the Railways that led to the loss of so many lives. The Railway Minister should take responsibility," Prasad, who is a former Railways minister, said. The remarks drew sharp criticism from the BJP and Hindu religious leaders, who condemned Prasad's comments, accusing him of doing politics over dead bodies. "He is making such comments due to his politics of appeasement. The RJD leaders have always insulted the religious sentiments of Hindus. The latest statement by Lalu Prasad, calling the Maha Kumbh meaningless, exposes the party's mindset towards the Hindu religion," Sharma was quoted as saying by news agency. Bihar Deputy Chief Minister Vijay Kumar Sinha alleged that the RJD supremo is doing politics over the incident and said, "He has always attacked Sanatan dharma, and their mindset is clearly reflected in their attitude towards Sanatan Dharma and its religious leaders. These people have even abandoned their own values for the sake of appeasement."

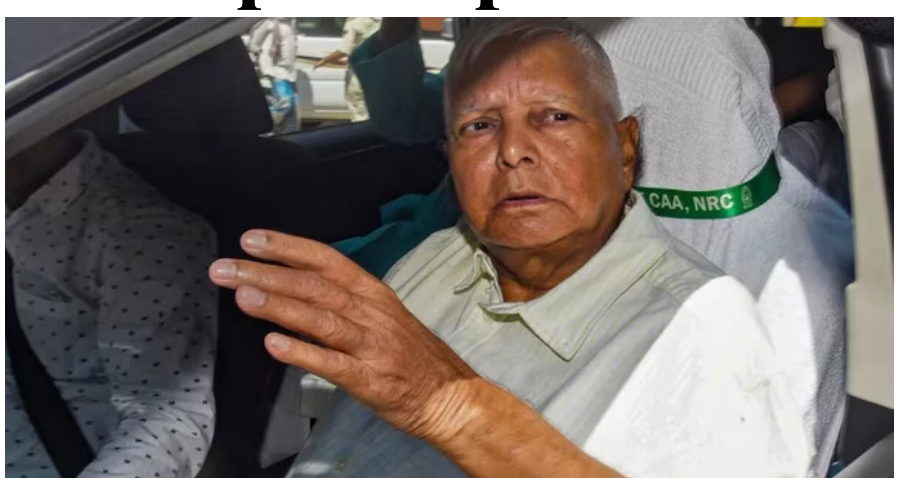

At least 18 people were killed in the overnight stampede at the packed New Delhi Railway Station after some passengers slipped and fell on others while coming down from a footover bridge. More than a dozen people were also injured. The Delhi Police said that the initial probe found that the incident happened as passengers got confused between the 'Prayagraj Express' and the 'Prayagraj Special' when the announcement of the latter's arrival was made. The announcement of the 'Prayagraj Special' arriving at Platform 16 led to confusion among the waiting passengers because the Prayagraj Express was already at Platform 14. People who were reaching Platform 14 thought their train was arriving at Platform 16 and rushed towards it, leading to the stampede, police said. A high-level committee has been formed to probe the incident. A compensation of Rs 10 lakh each has been announced by the Railways for the families of those killed in the stampede. Those seriously injured will get Rs 2.5 lah each and those with minor injuries Rs 1 lakh each.

Legs chained, hands cuffed: Indian deportee on 2nd US flight recounts ordeal

Agency: An Indian deportee who was on board the second US military aircraft carrying illegal immigrants, claimed that "our legs were chained and hands cuffed" throughout the journey, just over a week after the first batch of deportees also made similar complaints, triggering a massive uproar. Daljit Singh, a native of Kurala Kalan village in Punjab's Hoshiarpur district, was among the 116 illegal Indian immigrants on board the C-17 US military aircraft that landed in Amritsar at around 11.35 pm on Saturday following a 90-minute delay. The second batch of deportees comprised 65 people from Punjab, 33 from Haryana; eight from Gujarat; two each from Uttar Pradesh, Goa, Maharashtra and Rajasthan; and one each from Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir. Speaking to reporters in Hoshiarpur, Singh also said that he had been taken to the US via the treacherous "donkey" route -- an illegal and dangerous journey taken by migrants to enter America. Meanwhile, his wife claimed that a travel agency deceived her husband, and instead of a flight to the US that he had promised, Singh was taken via the donkey route. She further alleged that a man from their village had introduced Singh to the travel agent. Upon their arrival, the deportees had to immediately proceed for immigration and background checks, following which they were allowed to proceed to their homes in the early hours of Sunday.

The Punjab and Haryana governments made special travel arrangements for the deportees hailing from the two states. Meanwhile, a third plane carrying 157 deportees is expected to land in Amritsar on Sunday. However, there was no immediate information on the arrival time. The first US flight carrying 104 deportees, including 13 children, landed in Amritsar on February 5, marking the first time that Indian illegal immigrants were sent back as part of President Donald Trump's massive crackdown against undocumented aliens that he launched on his first day in office on January 20. However, the deportees claimed that their hands and legs were unshackled only after the aircraft landed in Amritsar. At the time, one of those onboard the first flight, Jaspal Singh from Punjab's Gurdaspur, told PTI, "We thought we were being taken to another camp. Then a police officer told us that we were being taken to India. We were handcuffed, and our legs were chained. These were opened at Amritsar airport." On February 6, Michael W Banks, chief of the US Border Patrol (UBSP), shared a video showing the illegal Indian immigrants with their hands cuffed and legs shackled entering the C-17 aircraft.

The treatment of the deportees led to widespread outrage, especially among members of the Opposition who continued to disrupt proceedings of the Budget session in Parliament, demanding a discussion on the matter.In response, External Affairs Minister S Jaishankar said the use of restraints was part of the US's standard operating procedure (SOP) and also assured the opposition that the Centre was engaging the rump administration to ensure that the returning deportees are not mistreated in any manner.

India vs Pakistan is overhyped: Harbhajan sends Champions Trophy warning to fans

Agency: Former India off-spinner Harbhajan Singh dismissed the hype surrounding the India vs Pakistan clash in the Champions Trophy 2025, stating that fans will not enjoy the contest as much as they anticipate due to the disparity in quality between the two teams. Harbhajan asserted that India are far ahead of Pakistan in ODI cricket and predicted that the February 23 encounter in Dubai will be a one-sided affair. The excitement surrounding the marquee India vs Pakistan clash remains as high as ever. Tickets for the match at the 25,000-seater stadium went on sale for the second time on Sunday, February 16, only to sell out within hours. Harbhajan acknowledged that ticket prices for the highly anticipated encounter are significantly higher than usual but cautioned fans against expecting a closely fought contest between the two rivals. "India and Pakistan. You heard it right- this is an overhyped match between India and Pakistan. Because there is nothing in it," Harbhajan Singh said on a YouTube show. He also pointed out the vast gulf in class between the two batting line-ups, expressing his belief that Pakistan will not even put up a strong fight against India next Sunday in Dubai. "Look at their main batters. Their star batter is Babar Azam. His average against India is 31. If you are a top batter, you have to average around 50. Then, there is Rizwan. I like him as a player. He plays freely. But his average against India is 25. Fakhar Zaman, their only full-time opener, has an average of 46. It's a good average. Fakhar can take the game away from India." "Faheem Ashraf averages 12.5! I don't think he will be a big threat. Saud Shakeel has an average of 8 against India. "Looking at their batting line-up, I don't get the confidence that this team will even fight," Harbhajan said.

India and Pakistan last played in the T20 World Cup in 2024 in New York. Pakistan failed to chase 120 in that match, letting go of a good chance to clinch a win over their arch-rivals. Their last ODI meeting -- during the 2023 World Cup in Ahmedabad -- was also a one-sided affair. Pakistan were bowled out for 191 with Babar Azam scoring the only fifty of their innings. India chased down the total in just 30.3 overs after Rohit Sharma smashed 86 off just 63 balls. However, Pakistan will look to take confidence from the positive head-to-head record against India in Champions Trophy. Pakistan have won three of their five meetings against India, including the final of the 2017 edition in London. However, Harbhajan said India are heading into the tournament with good ODI form and highlighted that New Zealand defeated Pakistan in a recent ODI tri-series in Pakistan. The World Cup-winning former India cricketer even said New Zealand will beat Pakistan in the first match of the Champions Trophy scheduled to be held in Karachi on February 19. "Recently, India hammered England at home. On the other hand, Pakistan lost to New Zealand in a tri-series at home. "Keep in mind, New Zealand will play the first match against Pakistan. I think New Zealand will hammer Pakistan once again. Because, New Zealand seem to have understood the conditions and tactics.